ज्ञानामृत

जो अंतर को देखता है, बाह्य को नहीं, वही सच्चा कलाकार है।
महात्मा गाँधी

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, बुधवार, 11 फरवरी 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 64 | पेज- 08 | मूल्य- 5 रुपए

न्यूज इन शॉर्ट

मणिपुर के उखरुल में हिंसा के बाद 5 दिन के लिए इंटरनेट बंद, कर्फ्यू लागू

उखरुल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिला में हालात बिगड़ने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिले में भड़की हिंसा के चलते पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं और

कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। उपद्रवियों ने अलग-अलग इलाकों में आगजनी करते हुए 25 घरों और चार सरकारी क्वार्टरों को फूंक दिया, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।प्रशासन के अनुसार, हिंसा की घटनाओं को देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। इंटरनेट बंद करने का उद्देश्य अफवाहों के प्रसार को रोकना और सोशल मीडिया के जरिए तनाव भड़काने की कोशिशों पर लगाम लगाना है। कर्फ्यू के दौरान केवल आवश्यक सेवाओं को ही छूट दी गई है।घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां उखरुल भेजी गई हैं। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है।

ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन की आहट, शबाना महमूद बन सकती हैं पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजनीति में बड़ा उलटफेर संभव है। लेबर पार्टी की वरिष्ठ नेता शबाना महमूद को देश की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री के रूप में देखा जा रहा है।

कश्मीर मूल की शबाना महमूद पार्टी के भीतर मजबूत पकड़ रखती हैं और मौजूदा हालात में उनका नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। दरअसल, प्रधानमंत्री एपस्टीन फाइल्स से जुड़े विवाद के चलते भारी दबाव में हैं। विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर भी उनसे जवाबदेही की मांग तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, यदि विवाद और गहराता है तो स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडरा सकता है और लेबर पार्टी नए नेतृत्व की ओर बढ़ सकती है।

चांदी में जबरदस्त उछाल, दो दिन में 12 हजार से ज्यादा महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार को चांदी 3 हजार 759 रुपए उछलकर 2 लाख 57 हजार रुपए प्रति किलो के स्तर

पर पहुंच गई। बीते दो दिनों में ही चांदी कुल 12 हजार 495 रुपए महंगी हो चुकी है, जिससे निवेशकों और खरीदारों में हलचल बढ़ गई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार औद्योगिक मांग में तेजी, वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल का असर चांदी की कीमतों पर दिख रहा है। वहीं सोने की कीमतों में भी मजबूती दर्ज की गई है। मंगलवार को सोना 824 रुपए बढ़कर 1 लाख 56 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। जानकारों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोने-चांदी दोनों में तेजी का रुख बना हुआ है।

टी-20 वर्ल्डकप में भारतीय खिलाड़ियों के साथ परिवार नहीं रहेगा: बीसीसीआई

मुंबई, एजेंसी। टी-20 वर्ल्डकप के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को परिवार के साथ रहने की अनुमति नहीं मिलेगी। टीम मैनेजमेंट की ओर से इस संबंध में अनुरोध किया गया था, लेकिन बीसीसीआई ने इसे स्वीकार नहीं किया। बोर्ड ने साफ

किया है कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी आधिकारिक टीम होटल और तय प्रोटोकॉल के तहत ही रहेंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में टीम की एकाग्रता और अनुशासन बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। बोर्ड का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को पूरी तरह खेल पर फोकस करना चाहिए, ताकि प्रदर्शन पर किसी भी तरह का असर न पड़े। हालांकि, बीसीसीआई ने यह स्पष्ट किया है कि अगर कोई खिलाड़ी अपने परिवार के साथ अलग से रहना चाहता है तो वह अपने निजी खर्च पर ऐसा कर सकता है।

कैबिनेट बैठक: आदिवासी-कल्याण और सामाजिक सुरक्षा पर सरकार का फोकस

जनजातीय व महिला योजनाओं के लिए ₹7,133 करोड़ मंजूर

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य सरकार ने जनजातीय कार्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक कुल 7,133 करोड़ 17 लाख रुपए की बड़ी स्वीकृति प्रदान की। बैठक का शुभारंभ वंदे-मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। मंत्रि-परिषद के निर्णय के अनुसार जनजातीय वर्ग, अनुसूचित जाति और कमजोर वर्ग के बच्चों की शिक्षा, पोषण, आवास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को अगले पांच वर्षों तक वित्तीय संबल मिलेगा। साथ ही महिला एवं बाल विकास से जुड़ी विशेष योजनाओं के लिए भी राशि स्वीकृत की गई है।

पेंशन सुधारों सहित कई फैसलों पर लगी मुहर

जनजातीय कार्य विभाग की प्रमुख योजनाएं

मंत्रि-परिषद ने जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत पीवीटीजी आहार अनुदान योजना के लिए 2,350 करोड़ रुपए, एकीकृत छात्रावास योजना के लिए 1,703 करोड़ 15 लाख रुपए, सीएम राइज विद्यालय योजना के लिए 1,416 करोड़ 91 लाख रुपए, आवास सहायता योजना के लिए 1,110 करोड़ रुपए, माध्यमिक शिक्षा मंडल शुल्क प्रतिपूर्ति, अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रवृत्ति और कक्षा 9वीं छात्रवृत्ति के लिए 522 करोड़ 8 लाख रुपए की स्वीकृति दी। इन निर्णयों से जनजातीय विद्यार्थियों को शिक्षा और आवास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

महिला एवं बाल विकास को भी राहत

महिला एवं बाल विकास विभाग की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के लिए मंत्रि-परिषद ने 31 करोड़ 3 लाख रुपए स्वीकृत किए, जिससे महामारी के दौरान अनाथ या प्रभावित बच्चों को निरंतर सहायता मिल सकेगी।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान को बढ़ावा

मंत्रि-परिषद ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 63 हजार 77 अविद्युतीकृत घरों और 650 शासकीय संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 366 करोड़ 72 लाख रुपए की मंजूरी दी। इसमें 220 करोड़ 03 लाख रुपए केंद्र सरकार और 146 करोड़ 69 लाख रुपए राज्य सरकार वहन करेगी।इसके अलावा 8,521 घरों को ऑफ-ग्रिड (सोलर + बैटरी) प्रणाली से विद्युतीकरण के लिए 97 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

विद्युतीकरण का मॉडल

निर्णय के अनुसार प्रति घर 2 लाख रुपए तक की लागत वाली बसाहटों में ऑन-ग्रिड प्रणाली से बिजली पहुंचाई जाएगी। खेतों पर बने घरों, पांच से कम घरों की बसाहटों और अत्यंत दूरस्थ क्षेत्रों में 1 किलोवाट क्षमता की सोलर ऑफ-ग्रिड प्रणाली से विद्युतीकरण किया जाएगा। ऑफ-ग्रिड व्यवस्था का पूरा खर्च राज्य शासन वहन करेगा।

न्यायालय कर्मियों को आयु-सीमा में छूट

मंत्रि-परिषद ने उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों के आईटी संवर्ग में कार्यरत कर्मचारियों को तकनीकी संवर्ग की भर्ती प्रक्रियाओं में एक बार 5 वर्ष की आयु-सीमा छूट देने का निर्णय लिया। वर्तमान में अनारक्षित वर्ग के लिए अधिकतम आयु 40 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष निर्धारित है।

पेंशन नियमों में ऐतिहासिक बदलाव

बैठक में मध्यप्रदेश सिविल सेवा (पेंशन) नियम-2026 और पेंशन का सारांशीकरण नियम-2026 को मंजूरी दी गई। नए नियमों में पेंशन प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाया गया है।

लोकसभा में स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव पेश

100+ सांसदों ने किया समर्थन

अविश्वास प्रस्ताव के फैसले तक सदन में नहीं बैठेंगे स्पीकर ओम बिरला

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के बजट सत्र के बीच राजनीतिक तापमान बढ़ता ही जा रहा है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी दलों ने अविश्वास प्रस्ताव (नो-कॉन्फिडेंस मोशन) का नोटिस मंगलवार को लोकसभा सचिवालय को सौंप दिया। इस प्रस्ताव पर 100 से अधिक सांसदों के हस्ताक्षर हैं, जिसमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, लेफ्ट, राजद आदि दलों के सांसद शामिल हैं। विपक्षी सांसदों ने संविधान और नियमों के तहत यह नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंपा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और विपक्षी आवाज़ों को दबाया है।

स्पीकर का बड़ा निर्णय: फैसले तक नहीं करेंगे अध्यक्षता

अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस के जवाब में स्पीकर ओम बिरला ने कहा है कि जब तक इस प्रस्ताव पर कोई औपचारिक निर्णय नहीं हो जाता, वे लोकसभा की कार्यवाही में अध्यक्षता के लिए सदन की अध्यक्षता कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। यह निर्णय उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया और निष्पक्षता को ध्यान में रखते हुए लिया है, जिससे संसद की गरिमा बनी रहे।

प्रक्रिया और आगे की राह

अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस नियम 94(सी) और संविधान के अनुच्छेद 94 के तहत दायर किया गया है। इस प्रस्ताव को संसद द्वारा मान्यता मिलने के लिए कम से कम 50 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होती है, जो इस मामले में पूरा हो चुका है। इसके बाद प्रस्ताव पर बहस तथा मतदान की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, हालांकि सत्तापक्ष के पास संख्या बल होने के कारण पास होना मुश्किल बताया जाता है।

लापता बच्चों पर शीर्ष अदालत की तल्ख टिप्पणी

केंद्र से सुप्रीम सवाल... क्या इसके पीछे सक्रिय है देशव्यापी संगठित गिरोह?

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में लापता बच्चों के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्ट शब्दों में सवाल किया है कि क्या इन घटनाओं के पीछे कोई देशव्यापी संगठित नेटवर्क काम कर रहा है। अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह सभी राज्यों से आंकड़े एकत्र कर यह स्पष्ट करे कि यह समस्या राष्ट्रीय स्तर की है या अलग-अलग राज्यों में बिखरी घटनाओं का परिणाम। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि लापता बच्चों के मामलों में कोई पैटर्न, संगठित गिरोह या नेटवर्क होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने केंद्र से कहा कि आंकड़ों के आधार पर स्थिति स्पष्ट की जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कुछ राज्य जानकारी देने में टालमटोल करते रहे, तो उनके खिलाफ कड़े निर्देश जारी किए जा सकते हैं। अदालत ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी का विषय है।

डबरा में धर्म समुद्र ...

विजय मत, ब्यूरो डबरा। डबरा में त्रि-दिवसीय शिव महापुराण कथा के लिए कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का मप्र के पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने स्वागत किया। मंगलवार को नवग्रह शक्ति पीठ के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शंखनाद अत्यंत भव्यता के साथ हुआ। इस पावन अवसर पर आयोजित कलश यात्रा में हज़ारों की संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। सिर पर मंगल कलश धारण किए श्रद्धालुओं के जनसैलाब ने डबरा की धरा को धर्ममय बना दिया।

किताब विवाद पर पहली बार सामने आए पूर्व थलसेना प्रमुख

किताब न प्रिंट हुई, न डिजिटल रूप में जारी : नरवणे

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व थलसेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर चल रहे विवाद पर पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी है। जनरल नरवणे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पेंगुइन इंडिया की ओर से जारी आधिकारिक बयान को रिट्वीट करते हुए पुस्तक की स्थिति स्पष्ट की। पेंगुइन इंडिया ने अपने बयान में कहा है कि कंपनी द्वारा इस पुस्तक की कोई भी प्रति अब तक न तो मुद्रित रूप में और न ही डिजिटल स्वरूप में प्रकाशित, वितरित या बेची गई है। जनरल नरवणे ने इस बयान को साझा करते हुए लिखा कि ÷यह किताब की वर्तमान स्थिति है÷, जिससे उन्होंने प्रकाशक के पक्ष को समर्थन दिया। इस बीच पेंगुइन इंडिया ने एक और विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया। प्रकाशन ने कहा कि किसी पुस्तक की घोषणा, उसका प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होना और उसका वास्तव में प्रकाशित होना—तीन अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। केवल यह तथ्य कि कोई किताब प्री-ऑर्डर के लिए सूचीबद्ध है, इसका अर्थ यह नहीं होता कि वह प्रकाशित होकर बाजार में उपलब्ध हो चुकी है।

20 फरवरी से एआई कंटेंट पर लेबल लगाना अनिवार्य, सरकार का सख्त आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने एआई से तैयार या एआई की मदद से बदले गए कंटेंट को लेकर बड़ा और सख्त फैसला लिया है। सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि 20 फरवरी 2026 से एआई जनित कंटेंट पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा, ताकि यूजर्स यह जान सकें कि कंटेंट वास्तविक है या एआई से बनाया गया है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि अगर किसी प्लेटफॉर्म पर डीपफेक वीडियो या फोटो अपलोड होती है और वह भ्रामक, आपत्तिजनक या नुकसानदेह पाई जाती है, तो उसे तीन घंटे के भीतर हटाना होगा। यह आदेश सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत जारी किया गया है।

बांग्लादेश में चुनाव से ठीक पहले हिंदू व्यापारी की बेरहमी से हत्या

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिला में आम चुनाव से महज तीन दिन पहले एक 62 वर्षीय हिंदू व्यापारी को निर्मम तरीके से चाकू से हमला कर हत्या कर दिया गया। घटना त्रिशाल

उपजिला के बोगर बाजार स्थित दुकान में सोमवार रात लगभग 11 बजे हुई, जहाँ मृतक सुषेन चंद्र सरकार अपने धान के कारोबार से जुड़े थे। पुलिस के मुताबिक, अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से उन पर हमला किया और घायल हालत में उनके शव को दुकान के अंदर ही छोड़कर शटर नीचे गिराकर फरार हो गए। परिवार और ग्रामीणों ने जब उन्हें तलाशा, तो खून से लथपथ हालत में शव मिला। शुरुआती जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हत्या का मकसद लूट, सांप्रदायिक कारण या चुनावी तनाव से जुड़ा है, लेकिन यह घटना देश में मतदान के ठीक पहले बढ़ते तनाव और हिंसा की चिंताओं को और गंभीर कर रही है।

धर्म के नाम पर भ्रम फैलाने वालों को योगी की चेतावनी

हिंदुस्तान में कानून का पालन अनिवार्य, कयामत तक बाबरी मस्जिद नहीं बनेगी

बाराबंकी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाराबंकी में आयोजित जनसभा में स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब ÷कयामत के लिए जीने वालों÷ को देश में कायदे से रहना सीख लेना चाहिए और बाबरी मस्जिद अब कभी नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत और सांस्कृतिक गौरव को कमज़ोर नहीं होने दिया जाएगा। सीएम योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है और यह जो बोलती है, वही करती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण का सपना देख रहे हैं, लेकिन यह सपना कभी पूरा नहीं होगा और इसके लिए कयामत का इंतजार करना व्यर्थ है। उन्होंने कहा कि राम सबके हैं और अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आ चुका है, जहां भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। सीएम योगी ने यह बात जोर देकर कही कि हिंदुस्तान में कानून का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

विजय मत एंकर | डिजिटल धोखाधड़ी... हजारों करोड़ की ठगी देख सीजेआई हैरान

ठगी की राशि कई छोटे राज्यों के वार्षिक बजट से भी अधिक: सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में बढ़ती डिजिटल धोखाधड़ी और हजारों करोड़ रुपये के कथित गबन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि सामने आई ठगी की राशि इतनी बड़ी है कि यह कई छोटे राज्यों के वार्षिक बजट से भी अधिक है। इस स्तर की वित्तीय धोखाधड़ी को देखकर न्यायालय स्तब्ध है और यह सीधे तौर पर देश की बैंकिंग व्यवस्था पर बोझ बन चुकी है। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आम नागरिकों की गाढ़ी कमाई जिस तरह से लूटी जा रही है, वह किसी संगठित अपराध से कम नहीं है। उन्होंने इसे लूट और डकैती के समान करार देते हुए कहा कि तकनीक का दुरुपयोग कर आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि संबंधित संस्थाएं समय रहते ठोस कदम नहीं उठा पा रही हैं।

बैंक और एजेंसियों की भूमिका पर सवाल

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। न्यायालय ने कहा कि संदिग्ध लेन-देन के बावजूद खातों को समय पर फीज नहीं किया जाना और पीड़ितों को तुरंत राहत न मिलना, सिस्टम की बड़ी खामी को दर्शाता है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते समन्वय और सतर्कता बरती जाए, तो बड़े पैमाने पर होने वाली ठगी को रोका जा सकता है।

एसओपी बनाने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकिंग संस्थानों और दूरसंचार विभाग के साथ समन्वय कर एक प्रभावी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार की जाए। इस एसओपी के तहत संदिग्ध ट्रांजैक्शन पर तुरंत कार्रवाई, खाते फीज करने की प्रक्रिया और पीड़ितों को त्वरित राहत सुनिश्चित करने के स्पष्ट प्रावधान हों।

डिजिटल युग में सखूती की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि डिजिटल इंडिया के दौर में साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए कानून और व्यवस्था को तकनीक के अनुरूप तेज़ और प्रभावी बनाना होगा। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे अपराध देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। न्यायालय ने संकेत दिए कि इस मामले में आगे भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी और जिम्मेदार संस्थाओं से जवाबदेही तय की जाएगी।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

भाजपा के संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया आज शहडोल प्रवास पर रहेंगे

शहडोल। एकदिवसी शहडोल जिले के प्रवास पर रहेंगे भारतीय जनता पार्टी शहडोल संभाग के प्रभारी गौरव सिरोठिया मंगलवार को भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया है भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहडोल संभाग के प्रभारी गौरव सिरोठिया 11 फरवरी 2026 को एकदिवासी शहडोल जिले के प्रवास पर रहेंगे श्री गौरव सिरोठिया प्रवास के दौरान कमला नगर स्थित संभागीय मुख्यालय 'अटल निलय' जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं से बुधवार शाम 4.00 बजे से 6-00 बजे मुलाकात कर चर्चा करेंगे साथ ही संगठनात्मक विषयों पर एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर मार्गदर्शन देंगे।

कलेक्टर ने स्वीकृत की आर्थिक सहायता राशि

शहडोल। विधायक शरद कोल के अनुशंसा पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से ग्राम बिजहा निवासी अभिमन्यु सिंह पटेल को उपचार हेतु 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

तीनों जिलों में सहकार भारती का स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक संपन्न

शहडोल। आदिन जाति सेवा सहकारी समिति परिसर, अनूपपुर, उमरिया जिले में बरही धाम, एवं शहडोल जिले में जिले में घरौला मोहल्ला में रविवार को सहकार भारती का स्थापना दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। अनूपपुर आयोजित कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ गोपाल प्रसाद निगम जी प्रदेश अध्यक्ष, सहकार भारती क्रेडिट एवं श्री पवन पाण्डेय जी (संभाग प्रमुख क्रेडिट) ने की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्ष के रूप में श्री अरविन्द्र मिश्रा जी (अध्यक्ष, सहकार भारती) अभिषेक सिंह (संगठन मंत्री सहकार भारती) उमरिया जिले में सुरेन्द्र सिंह जिला प्रमुख, शिवकुमार मिश्र महामंत्री, शहडोल जिले में प्रमुख रूप से महामंत्री राजेश श्रीवास्तव संगठन मंत्री निखलेस तिवारी जिला महिला प्रमुख संगीता शुक्ला,उपस्थित रहे।
अपने संबोधन में श्री निगम जी ने कहा कि सहकार भारती ‘सहकार से समृद्धि’ के मूल मंत्र के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तिकरण पहुँचाने का कार्य कर रही है। सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण है।
कार्यक्रम में महिला सहभागिता, रोजगार सृजन और सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर श्रीमती वंदना सोनी जिला महामंत्री सहकार भारती एवं अध्यक्ष प्राथमिक महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी समिति मर्यादित अनूपपुर श्रीमती प्रभा मिश्रा (महिला प्रमुख) सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ हुआ।

आदेश बेअसर

परीक्षाओं पर भारी शोर, ध्वनि प्रदूषण से त्रस्त विद्यार्थी

देर रात तक बज रहे कानफोड़ू डीजे, पढ़ाई में पड़ रहा व्यवधान , नगर के कई हिस्सों में आदेशों का असर दिखाई नहीं देता

विजय मत, शहडोल

नगर में इन दिनों स्कूली व कॉलेज विद्यार्थियों की परीक्षाएं चल रही हैं, लेकिन शोरगुल और ध्वनि प्रदूषण ने उनकी चिंता और बढ़ा दी है। शादी-ब्याह के सीजन और धार्मिक आयोजनों के चलते शहर में दिन ही नहीं, बल्कि देर रात तक तेज आवाज में डीजे और बैंड-बाजे बज रहे हैं। कानफोड़ू शोर के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं बुजुर्गों और बीमार लोगों को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्य मार्ग और मैरिज गार्डन बने शोर के केंद्र

शहर के मुख्य मार्गों, मैरिज गार्डनों और घनी आबादी वाले इलाकों में तेज संगीत सबसे बड़ी समस्या बन गया है। यहां दिन के साथ-साथ रात 10 बजे के बाद भी डीजे बजते रहते हैं। कई जगहों पर तो आधी रात तक तेज ध्वनि में संगीत चलता रहता है, जिससे आसपास रहने वाले परिवारों की नींद और विद्यार्थियों की तैयारी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

सरकारी मानकों की खुलेआम अनदेखी

सरकार द्वारा दिन और रात के लिए ध्वनि प्रदूषण के मानक तय किए गए हैं, ताकि आमजन को परेशानी न हो। इसके बावजूद शहडोल नगर में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। डीजे और बैंड-बाजे निर्धारित सीमा से कहीं अधिक तेज आवाज में बजाए जा रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि प्रशासन के आदेश कागजों तक ही सीमित नजर आ रहे हैं।

प्रशासनिक कार्रवाई नदारद

तेज संगीत पर रोक को लेकर प्रशासन की ओर से अब तक कोई बड़ी और सख्त कार्रवाई सामने नहीं आई है। ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए धारा-144 जैसे प्रतिबंधात्मक आदेश प्रभावी रूप से लागू होते नजर नहीं आ रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में पुलिस द्वारा डीजे वाहनों की जब्ती की कार्रवाई जरूर हुई है, लेकिन नगर के कई हिस्सों में ऐसे आदेशों का असर दिखाई नहीं देता।

डीजे गाड़ियों पर नहीं लग रहा अंकुश

वैवाहिक सीजन और धार्मिक आयोजनों के कारण डीजे साउंड सिस्टम का उपयोग तेजी से बढ़ा है। कई डीजे गाड़ियों में 8 से अधिक एम्पलीफायर लगाए जा रहे हैं, जिससे अत्यधिक तेज आवाज निकलती है। कुछ गाड़ियों में तो 200 डेसीबल से अधिक क्षमता वाले साउंड सिस्टम लगे होने की चर्चा है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक माने जाते हैं।

घरों में भी बज रहा तेज संगीत

पहले जहां डीजे का उपयोग मैरिज गार्डन या धर्मशालाओं तक सीमित था, अब घरों में होने वाले शादी समारोहों में भी सुबह से देर रात तक तेज संगीत बजाया जा रहा है। इससे पड़ोसियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सामाजिक संबंधों के कारण लोग खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं, हालांकि कुछ मामलों में थानों में शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, लेकिन कार्रवाई की रफ्तार धीमी बताई जा रही है।

विद्यार्थियों की कलेक्टर से गुहार

परीक्षाओं के इस अहम दौर में विद्यार्थियों ने कलेक्टर और प्रशासन से मांग की है कि कम से कम रात 10 बजे के बाद तेज आवाज पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि वे शांत वातावरण में पढ़ाई कर सकें और अपने भविष्य को संवार सकें।

गिरफ्तार कांग्रेसियों की रिहाई की मांग को लेकर कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट में दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

विजय मत, शहडोल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के बुढ़ार प्रवास के दौरान जनहित से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसके उपरांत प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीकों से जनसमस्याओं को उठाया है। जिले में कानून व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता एवं अन्य जनहित से जुड़े विषयों को लेकर कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी बात रखी जा रही थी। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि पूरे मामले पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए गिरफ्तार किए गए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शीघ्र रिहा किया जाए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न अंग है और कांग्रेस पार्टी संविधान के दायरे में रहकर जनहित के मुद्दों को उठाती रहेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन मामले का सकारात्मक समाधान निकालेगा। धरना-प्रदर्शन के पश्चात कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल द्वारा कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग की गई। जिला कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और कांग्रेस पार्टी प्रशासन के साथ संवाद के माध्यम से समाधान चाहती है।

धरना-प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष आज़ाद बहादुर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीनिवास शर्मा, दिनेश अग्रवाल, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष प्रभात पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, पूर्व पार्षद सुफियान खान, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सिराज खान, सोहागपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतमदास सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माया की उदासीनता या कृष्ण का आनंद

विजय मत, शहडोल

विजय मत
जीवन का दृष्टिकोण
अजय जायसवाल

मनुष्य का जीवन सुखों और दुखों के बीच चलता रहता है । गरीब हो या अमीर सभी के जीवन में सुख-दुख आते और जाते रहते हैं परंतु जो व्यक्ति जीवन जीने की कल सीख जाता है वह व्यक्ति सुख में तो सुखी रहता ही है दुख में भी सुखी हो जाता है। दरअसल हमारे ऋषि मुनियों और संत महात्माओं ने ईश्वर की भक्ति और योग साधना करके जो ज्ञान प्राप्त किया है उससे मनुष्य को जीने की कला की सीख मिलती है । भगवत गीता और श्री रामचरितमानस जैसे महाकाव्य में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि यदि मनुष्य अपना दृष्टिकोण बदल ले तो दुख भी सुख बन जाता है अर्थात किसी भी प्रकार का दुख जीवन में आने पर यदि उसे स्वीकार कर लिया जाए तो वह दुख भी दुख नहीं देता बल्कि सुख की तरह मनुष्य को अनुभूति प्रदान करता है।

शहडोल संभागीय मुख्यालय में एक प्रसंग ऐसा देखने को मिला है की एक सरकारी अफसर इन दिनों काफी उदास और दुखी रहता है पिछले कुछ दिनों से यह अधिकारी काफी कमजोर दुबला पतला हो गया है जबकि उसने बड़े-बड़े चिकित्सकों से अपनी जांच करवाई है परंतु डॉक्टर ने तमाम जांच पड़ताल के बाद बता दिया है कि कोई बीमारी नहीं है। लोगों ने बताया कि यह अधिकारी लगभग सवा लाख रुपए हर महीना वेतन प्राप्त करता है इतना ही नहीं उसकी धर्मपत्नी भी लगभग 70000 वेतन प्राप्त करती है। मतलब की इस अधिकारी के घर में दो लाख से अधिक रुपया हर महीने मिलता है तो फिर यह व्यक्ति आखिर क्यों दुखी है और क्यों उदास रहता है इसके बारे में उनके सहकर्मियों का कहना है कि उन्हें ऊपरी कमाई नहीं हो रही है इसलिए वह उदास रहते हैं।

अर्थात माया रूपी धन की लालसा में ये साहब इतने दुखी और उदास जीवन जी रहे हैं । ऐसी हालत में मुझे यह लिखना पड़ रहा है कि माया की उदासीनता छोड़ दीजिए साहब और भगवान कृष्ण की लीलाओं का स्मरण करके और उनकी भक्ति करके खूब आनंद प्राप्त करिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो आप और आपका परिवार सभी आनंदित होगा और आपके जीवन के सारे दुख, सुख में तब्दील हो जाएंगे। एक बात और आप यह मत समझिएगा कि मैं एक अज्ञानी और तुच्छ प्राणी आपको ज्ञान दे रहा हूं बल्कि आप धर्म शास्त्रों का अध्ययन करके या फिर गीता रामायण पढ़कर या फिर संत महात्माओं की वाणी का रसपान करके मेरी लिखी गई इन बातों की सत्यता की जांच कर लीजिए और मेरी प्रार्थना है कि आप इस जीवन को प्रसन्न रहकर और सकारात्मक सोच के साथ आनंदपूर्वक जीवन जिए । यह संदेश किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है बल्कि सभी के लिए है जय श्री कृष्णा राधे राधे।

डाक्टर की सलाह के बिना विटामिन की गोलिया उपयोग न करें

विजय मत, शहडोल

विवेक पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल एवं सत्य साई इंग्लिश मीडियम स्कूल के सभागार में आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को विटामिन को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से डाइट के पूर्व प्रचारक श्री आर एस गौतम विद्यालय के संचालक डॉ गोपाल प्रसाद निगम विद्यालय की प्राचार्य डॉ अनीता निगम आयुष मेडिकल स्टोर की संचालिका श्रीमती निर्मला गुप्ता वरिष्ठ समाजसेवी एवं कवि श्रीमती संगीता शुक्ला वरिष्ठ कवित्री श्रीमती किरण सिंह शिल्पी जी के आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वक्तव्य देते हुए श्री आर एस गौतम ने बताया कि किसी भी सामान्य व्यक्ति को किसी भी प्रकार के रोग होने पर अपने आप स्वयं किसी भी प्रकार की विटामिन का उपयोग नहीं करना चाहिए जब तक कि वह डॉक्टर का पर्चा न हो डॉक्टर को दिखाएं ना हो तो इसी तरह कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए विद्यालय के संचालक डॉ गोपाल निगम ने बताया कि बच्चे हो या जवान या की प्रौढ़ या बूढ़े किसी भी प्रकार की समस्या शरीर पर आने पर सीधे डॉक्टर को दिखाएं और जो डॉक्टर दवाई के साथ विटामिन लिखे इस विटामिन का उपयोग करना चाहिए साथ ही शहडोल नगर में जितने भी मेडिकल स्टोर है उनके संचालकों से भी निवेदन है कि वह डॉक्टर के परिचय के साथ ही विटामिन की गोलियां उनको उपलब्ध कारयें और यदि व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार का परचा ना होते हुए वे स्वयं अपने से विटामिन की दवाई मांगते हैं तो कृपया करके उन्हें दवाई ना दें और सलाह दे के बिना डॉक्टर के लिखे किसी भी प्रकार की विटामिन की गोलियों का उपयोग न करें कार्यक्रम क्यों आगे विद्यालय की प्राचार्य डॉ अनीता निगम ने बताया कि विटामिन के जितने फायदे हैं उससे कहीं ज्यादा नुकसान भी है इसलिए किसी भी व्यक्ति को

एनएसएस के पूर्व दलनायक कामता पाण्डेय को बायोटेक्नोलॉजी विषय पर पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि

शहडोल। राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व दलनायक, घरौला मोहल्ला निवासी कामता पाण्डेय आत्मज प्रेमलाल पाण्डेय-श्रीमती गीता पाण्डेय को बायोटेक्नोलॉजी विषय मे पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। कामता पाण्डेय ने पीएचडी की उपाधि प्रोफेसर डॉ भरतशरण सिंह जी, पूर्व अध्यक्ष, मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग) की प्रेरणा से डॉ मनीष के. अग्रवाल के निर्देशन में स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय सागर (मप्र) से प्राप्त की। कामता पाण्डेय को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर श्रीमति विमला-प्रभात पाण्डेय, श्रीमति उषा- दिलीप पाण्डेय, श्रीमति सुषमा-श्रीनिवास शुक्ला, डॉ परीक्षित सिंह बघेल, श्री देवेंद्र शुक्ला, श्रीमति एकता -कामता पाण्डेय, कुलदीप शुक्ला, प्रवीण पाण्डेय सहित एनएसएस के पूर्व दलनायक डॉ सतेंद्र सिंह चौहान, डॉ प्रीति पाण्डेय, अनूप शर्मा, एड. वीरेश पाण्डेय, रावेंद्र सिंह, वीरेंद्र शुक्ला, अतुल तिवारी, गोविंद तिवारी, सूर्यप्रताप सिंह, ओम जी मिश्र, देवव्रत उपाध्याय, मो. शेख इक़बाल, अरुणेंद्र पाण्डेय, राकेश सहित समस्त स्वयंसेवकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जिला उमरिया के ग्राम मानपुर निवासी अश्वनी कुमार सोनी ने अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने, जिला शहडोल के ग्राम टेटका निवासी इंद्रजीत गुप्ता ने आवासीय हक प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने, बुढार कालोनी निवासी बीपी तिवारी ने खसरे की जमीन में जिन लोगो ने अनाधिकृत आवास का निर्माण किया है उन्हें बेदखल करनें तथा भूमि स्वामी की जमीन सुरक्षित करने, सोहागपुर निवासी रामसुशील तिवारी ने नक्शा सुधार हेतु, ग्राम कल्याणपुर निवासी गुणनिधि गुप्ता ने नाली के कार्य का मूल्यांकन समिति बनाकर कराने एवं भुगतान पर रोक लगाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लापरवाही

इंदिरा चौक से लल्लू सिंह चौक तक हर घंटे ठहरता ट्रैफिक, आपात सेवाएं भी प्रभावित

मॉडल रोड बनी जाम की पहचान, शहर की रफ्तार पर ब्रेक

विजय मत, शहडोल

शहर की पहली मॉडल रोड अब सुगम और सुरक्षित आवागमन की बजाय अव्यवस्था, जाम और खतरे की पहचान बनती जा रही है। इंदिरा चौक से लल्लू सिंह चौक तक बनी मॉडल रोड पर दिन के समय हर घंटे जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। हालात ऐसे हैं कि इस मार्ग से गुजरना अब वाहन चालकों के लिए चुनौती बन गया है, वहीं आम नागरिकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अघोषित पार्किंग ने छीनी सड़क की चौड़ाई

मॉडल रोड पर सड़क के दोनों ओर दिन भर वाहन खड़े रहते हैं, जिससे यह मार्ग अघोषित पार्किंग स्थल में तब्दील हो गया है। ट्रक जैसे भारी वाहनों और पहले से खड़े चार पहिया वाहनों के कारण सड़क का आधा हिस्सा पूरी तरह अवरुद्ध रहता है। नतीजतन एक समय में केवल एक ही दिशा से वाहन निकल पाते हैं, जिससे थोड़ी-सी भी भीड़ होने पर जाम की स्थिति बन जाती है।

एम्बुलेंस तक फंस रही जाम में

सबसे गंभीर स्थिति तब सामने आती है जब आपातकालीन

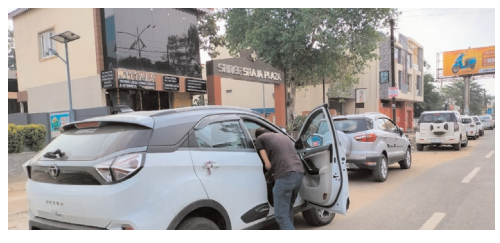

वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार एम्बुलेंस को भी जाम में फंसना पड़ा है। संकरी हो चुकी सड़क और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण इन्हें निकलने का रास्ता नहीं मिल पाता, जिससे मरीजों की जान पर खतरा मंडराने लगता है।

मेवाड़ हॉस्पिटल से लल्लू सिंह चौक तक सबसे ज्यादा अव्यवस्था

पुराने मेवाड़ हॉस्पिटल से लेकर लल्लू सिंह चौक तक मॉडल रोड की स्थिति सबसे खराब बताई जा रही है। इस हिस्से में सड़क के दोनों ओर मॉल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं, जहां दिन भर भारी वाहनों का आवागमन और लोड-अनलोडिंग होती रहती है। पहले से खड़े छोटे वाहनों के साथ जब बड़े वाहन रुकते हैं, तो सड़क का एक हिस्सा पूरी तरह बेकार हो जाता है, जिससे यातायात दबाव लगातार बढ़ता रहता है।

नपा और यातायात विभाग की चुप्पी

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस गंभीर समस्या को लेकर न तो नगरपालिका की ओर से कोई ठोस पहल की जा रही है और न ही यातायात विभाग की सक्रियता नजर आती है। यातायात पुलिस का अधिकतर ध्यान हाइवे पर ही केंद्रित रहता है, जबकि शहर की इस प्रमुख सड़क पर अव्यवस्था बढ़ती जा रही है।

बारात घरों के सामने बढ़ी परेशानी

बुढ़ार चौक से लल्लू सिंह चौक के बीच बारात घरों के सामने स्थिति और भी बिगड़ जाती है। वाहन चालकों ने बताया कि बड़े-बड़े बारात घरों में आयोजनों के दौरान सैकड़ों वाहन सड़क पर खड़े हो जाते हैं। संचालक शादी समारोह के लिए लाखों रुपये किराए के रूप में वसूलते हैं, लेकिन पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं करते।

पंडित शम्भूनाथ कालेज में मुक्त व्यापार समझौता एवं भारतीय अर्थव्यवस्था' पर व्याख्यान माला आयोजित

विजय मत, शहडोल

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 9 फरवरी 2026 को ÷मुक्त व्यापार समझौता एवं भारतीय अर्थव्यवस्था÷ विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं समसामयिक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता वाथरे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. तारामणि श्रीवास्तव तथा सारस्वत अतिथि के रूप में शहडोल परिसर की परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ मंचासीन रहीं।कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत ने सभागार को सांस्कृतिक गरिमा से भर दिया।
व्याख्यान माला में अर्थशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों द्वारा मुक्त व्यापार समझौतों के विभिन्न आयामों पर सारगर्भित प्रस्तुतियाँ दी गईं। स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र अभिनय पांडेय ने मुक्त व्यापार समझौतों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। अरुणेंद्र कुमार मिश्रा ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभाव, चुनौतियाँ एवं सुझाव प्रस्तुत किए।
प्रियंशी तिवारी ने कपड़ा उद्योग, ज्ञानेंद्र सिंह ने दवा उद्योग, तथा विनय पटेल ने चमड़ा एवं जूता उद्योग पर मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभाव का विश्लेषण किया। वहीं विभाग की जेआरएफ शोधार्थी आरती कुमारी ने ÷भारत- एक उभरता हुआ वैश्विक आपूर्ति केंद्र÷ विषय पर प्रभावी प्रस्तुति दी।

न्यूज इन शॉर्ट

एआईएमआईएम नेता ने दिया विवादिन बयान, गरमाई राजनीति

भोपाल। फायर ब्रांड नेता असदुदीन ओवेसी की पार्टी एआईएमआईएम के नेता तौकीर निजामी ने एक सार्वजनिक सभा में देश के मुसलमानों को लेकर विवादित बयान दिया। निजामी का यह बयान अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। तौकीर निजामी के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर भी लोग अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा लगातार जारी है। तौकीर निजामी ने अपने बयान में कहा कि मुसलमान तीन तरह के होते हैं। उन्होंने कहा कि एक तरह के मुसलमान वो हैं जो जूते चाटने का काम करते हैं, ये कांग्रेस में मिलेंगे। दूसरा वो जो जूते खाने का काम करते हैं, ये भाजपा में मिलेंगे। और तीसरा वो मुसलमान जो जूते मारने का काम करते हैं, ये एआईएमआईएम पार्टी में मिलेंगे। इसके बाद उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पूछा कि तुम कौन से मुसलमान हो? इस बयान के बाद कई विपक्षी नेताओं ने निजामी के इस बयान की निंदा की है और इसे साम्प्रदायिक रूप से विभाजनकारी बताया है। वहीं एआईएमआईएम पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि ऐसे बयान चुनावी माहौल और समाज में तनाव बढ़ा सकते हैं।

चांदी के दाम बढ़ने का असर आदिवासी परिवारों पर

भोपाल। चांदी के दाम जिस तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। उसके साथ ही आदिवासी एवं गरीब परिवारों पर इसका असर देखने को मिल रहा है। आदिवासियों में लड़की की शादी पर चांदी का पाजेब, चांदी के कड़े, चांदी के बाकडे पैरपट्टी बिछिया करधनी शादी में देना शुभ माना जाता है। पछले 1 साल में जिस तरह से चांदी के रेट बढ़ रहे हैं। उसके कारण आदिवासी परिवारों में दुल्हन को जेवर नहीं दे पा रहे हैं। जिसके कारण आदिवासियों में कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। शादी मे बिना जेवर के दुल्हन जाती है। ऐसी स्थिति में समाज मे हँसाई होती है। आदिवासी और गरीब परिवारों में शादी के समय लड़की को चांदी के जेवर दिए जाने की परंपरा है। अब यह परंपरा पूरी करने के लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ रहा है। अपनी जमीन बेचनी पड़ रही है। चांदी के परंपरागत जेवर बेचने के बाद भी वह आभूषण नहीं जुटा पा रहे हैं। जिसके कारण आदिवासी क्षेत्रों और गरीब परिवारों में चांदी के दाम बढ़ने का असर सामाजिक रीति रिवाज पर पड़ रहा है।

लांजी के भाजपा विधायक को हाईकोर्ट से राहत

भोपाल। लांजी से भाजपा विधायक राजकुमार कर्राहे को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। पूर्व विधायक किशोर समरीते ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए राजकुमार कर्राहे के निर्वाचन को चुनौती दी थी, जिस पर सोमवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। राजकुमार कर्राहे ने आम आदमी पार्टी छोडक़र भाजपा का दामन थामा था। जस्टिस डीडी बंसल की सिंगल बेंच के समक्ष भाजपा विधायक की ओर से आपत्ति जताई गई कि किशोर समरीते को एक आपराधिक मामले में 5 साल की सजा सुनाई गई है, उनकी सजा अभी निलंबित है, खत्म नहीं हुई, ऐसे में जो खुद दागी है, वो कैसे निर्वाचन पर सवाल उठा सकता है। इस आपत्ति के मद्देनजर हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। किशोर समरिते की ओर से दायर याचिका में बताया गया था कि 17 नवंबर 2023 को हुए विधानसभा चुनाव में लांजी विधानसभा सीट पर राजकुमार कर्राहे का निर्वाचन हुआ। किशोर समरीते ने संयुक्त क्रांति मोर्चा से अपना नामांकन भरा था। किशोर समरीते को 5 साल की सजा मिली थी, जिसका हवाला देकर निर्वाचन अधिकारी के सामने आपत्ति पेश गई, इस आपत्ति पर निर्वाचन अधिकारी ने नवंबर 2023 को याचिकाकर्ता किशोर समरीते का नामांकन निरस्त कर दिया। याचिका पर समरीते ने विधायक राजकुमार पर चुनाव में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए, उनका निर्वाचन रद्द की जाने की मांग की गई थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा और शहरी क्षेत्रों में वार्ड सभा का होगा आयोजन

भोपाल। पीएम श्रम योगी मानधन योजना सहित अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और इनका लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने नई रणनीति अपनाई है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा और शहरी क्षेत्रों में वार्ड सभा के माध्यम से इन योजनाओं को मजबूती दी जाएगी। केन्द्रीय पंचायती राज संचालनालय के निर्देशों के तहत सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि पीएम श्रम योगी मानधन योजना' सहित अन्य व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं को ग्राम-वार्ड सभाओं के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाए। योजना के तहत कवरेज बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यवस्थित रूप से स्थानीय स्तर पर शिविरों के आयोजन पर जोर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में आगामी महीनों में ग्राम सभा बैठकों के साथ-साथ पीएम श्रम योगी मानधन नामांकन और जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। सभी जिलों में ग्राम सभा के लिए महीने की तिथियां पहले से निर्धारित हैं, जिनका उपयोग योजनाओं के प्रचार-प्रसार और नामांकन के लिए किया जाएगा।

कृषक कल्याण वर्ष में मत्स्य पालकों की आर्थिक समृद्धि के लिए बनाई जाए कार्य योजना

प्रदेश में मत्स्य उत्पादन दोगुना करने की दिशा में सक्रियता से करें कार्य : मुख्यमंत्री मोहन

विजय मत,भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश के सभी किसानों और मछुआरों की आर्थिक समृद्धि के लिए संकल्प के साथ कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है, इसके साथ हमें मत्स्य उत्पादन में भी सक्रियता से कार्य कर आने वाले वर्षों में इसे दोगुना करने की दिशा में काम करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मत्स्य पालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए प्रदेश में मछली पालन के साथ ही एक्वाकल्चर के क्षेत्र में भी कार्य किया जाए। प्रदेश में ऐसा इको सिस्टम तैयार किया जाए, जिससे मछुआरों का आर्थिक सशक्तिकरण हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को समर्पित करते हुए यह वर्ष मना रही है। मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करें। मछुआ सम्मेलन आयोजित कर

मत्स्य पालन में बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। सीड प्रोडक्शन बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। प्रदेश में संचालित मत्स्य महासंघ के सुव्यवस्थित उपयोग के लिए भी कार्य करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि कम भू-जल स्तर वाले जिलों में फॉर्म पॉन्ड मॉडल के माध्यम से मत्स्य उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए एक जिले को मॉडल के रूप में तैयार किया जाए, जिसमें मत्स्य उत्पादन के साथ ही सिंघाड़ा, कमल गट्टा, मखाना सहित अन्य एक्वाकल्चर आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के विभागीय योजनाओं की प्रगति, किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत विशेष प्रोजेक्ट, केज कल्चर इंदिरा सागर जलाशय, टेक्नोलॉजी डिफ्यूशन सेंटर, रिजर्वायर कलस्टर आधारित मत्स्य पालन और समन्वित मछली घर एवं अनुसंधान केंद्र का बैठक में रिव्यू किया। इस अवसर पर मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई एवं अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

10 हजार केज हितग्राही मूलक योजना और 90 हजार केज उद्यमी मॉडल के अंतर्गत तैयार किए जाएंग: मुख्यमंत्री मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की दिशा में मध्यप्रदेश केज कल्चर नीति पर कार्य किया जा रहा है। इसमें 10 हजार केज हितग्राही मूलक योजना में और 90 हजार केज उद्यमी मॉडल के अंतर्गत तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के विषय में भी अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। बैठक में भोपाल में प्रस्तावित विशेष प्रोजेक्ट इंटीग्रेडेट एक्वा पार्क एंड रिसर्च सेंटर की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संभाग स्तर पर मछली घर तैयार करने की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

राजधानी में केमिकल डालकर पेड़ों को सुखाया जा रहा

प्रोफेसर कॉलोनी में पेड़ों को सुखाने के लिए डाला गया केमिकल

विजय मत,भोपाल

राजधानी की हरियाली पर कुछ लोगों की बुरी नजर पर पड़ चुकी है। शहर की ग्रीनरी को खत्म किया जा रहा है वो भी पेड़ काटकर नहीं पेडों को स्लो प्वाइजन देकर। भोपाल में पेड़ों की हत्या करने का नया फॉर्मूला निकला गया है। पेड़ों को स्लो प्वाइजन देकर सुखाने की तैयारी की जा रही है। बाकायदा राजधानी के सबसे ज्यादा ग्रीन कवर वाले इलाके प्रोफेसर कॉलोनी में पेड़ों को सुखाने के लिए केमिकल डाला गया है जिसकी वजह से ना तो पेड़ों को काटने की अनुमति लेनी पड़े और पेड़ अपने आप सूखकर काटने लायक हो जाए। कानूनन काटे गए पेड़ों के बदले पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन पुरानी प्रजातियों के हरे-भरे पेड़ों की भरपाई मुश्किल है।

लाखों पेड़ों की बलि पहले ही

विकास के नाम पर राजधानी भोपाल में लाखों पेड़ों की बलि पहले ही चढ़ चुकी है अब नए तरीके से पेड़ों की हत्या की जा रही है हालांकि कई प्रोजेक्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट से लेकर एनजीटी ने रोक लगाई मगर इसके बावजूद पेड़ों की हरियाली काम करने के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। ऐसा ही मामला प्रोफेसर कॉलोनी का है। यहां वालों सालों पुराने हरे पेड़ों को सुखाने के लिए केमिकल डाला जा रहा है। पेड़ों में छेद करके उनमें केमिकल भर के मिट्टी लगा दी गई है, जिससे केमिकल का असर इतना गंभीर है कि पेड़ खड़े-खड़े सूख रहा है। हालांकि यह पहला प्रयोग नहीं है वहां पर लगे कई और सूखे पेड़ गवाही दे रहे हैं, उनमें लगे केमिकल इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि उन्हें पहले ही मार दिया गया।

भोपाल में एमबीबीएस छात्रा का संदिग्ध हालात में मौत, बाथरूम में मिला शव

विजय मत, भोपाल

भोपाल में एक एमबीबीएस छात्रा का शव बाथरूम में मिलने से हड़कंप मच गया। घटना गांधी मेडिकल कॉलेज से जुड़ी बताई जा रही है, जहां छात्रा ने करीब चार महीने पहले ही एमबीबीएस में दाखिला लिया था। पुलिस के अनुसार, छात्रा का शव उसके निवास स्थान के बाथरूम में मिला, जबकि पास ही एक बोतल भी पड़ी हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में किसी बाहरी व्यक्ति के जबरन प्रवेश के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस छात्रा के मोबाइल फोन, कमरे में मौजूद सामग्री और हालिया गतिविधियों की जांच कर रही है। परिवारजनों को सूचना दे दी गई है और उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही

मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। कॉलेज प्रशासन ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे। साथ ही, छात्रों के लिए काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य सहायता की व्यवस्था को और मजबूत करने की बात कही गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी पहलुओं पारिवारिक, शैक्षणिक दबाव और अन्य संभावित कारणों की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

विजय मत,भोपाल। प्रदेश भर से आए चयनित शिक्षक अभ्यर्थियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इनकी मांग है कि सरकार वर्ग 3 का रिजल्ट जारी करे। और वर्ग दो के 12 हजार पदों के अतिरिक्त 13 हजार नए पदों पर भर्ती हो।

मध्यप्रदेश में दो दिन तक चढ़ेगा पारा, दिन में सर्दी होगी कम

फिर लौटेगी ठिठुरन, 13 से ठंडी हवाएं बढ़ाएंगी ठंड

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में अगले दो दिन तापमान बढ़ेगा। इसके प्रभाव से दिन में सर्दी का असर कम रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है।वहीं दो दिन बाद यानि की 13 तारीख से ठंडी हवाएं चलने से ठंड की पुन:वापसी का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जैसे ही पहाड़ी इलाकों में सक्रिय सिस्टम आगे बढ़ेगा और बर्फ पिघलने की प्रक्रिया तेज होगी, वैसे ही उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाएं एक बार फिर प्रदेश में ठंड बढ़ा देंगी। फरवरी महीने में मौसम का मिजाज बार-बार बदलता रहेगा। फिलहाल प्रदेश में बारिश की कोई संभावना नहीं है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के ज्यादातर शहरों में दिनभर तेज धूप खिली रही। इसका असर अधिकतम तापमान पर साफ दिखा। हालांकि रात और तड़के सुबह ठंड का असर बना रहेगा, लेकिन पहले की तुलना में पारा थोड़ा ऊपर चढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। उधर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश का अनुमान है। इसी वजह से प्रदेश में अगले दो दिन तापमान बढ़ेगा। लेकिन सिस्टम के गुजरते ही मौसम फिर करवट लेगा। मौसम विभाग के अनुसार 13, 14

और 15 फरवरी को तापमान में गिरावट आएगी। उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण रात और सुबह की ठंड फिर तेज हो जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन प्रदेश में तापमान बढ़ेगा और दिन में सर्दी का असर कम रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। हालांकि यह राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जैसे ही पहाड़ी इलाकों में सक्रिय सिस्टम आगे बढ़ेगा और बर्फ पिघलने की प्रक्रिया तेज होगी, वैसे ही उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाएं एक बार फिर प्रदेश में ठंड बढ़ा देंगी। फरवरी महीने में मौसम का मिजाज बार-बार बदलता रहेगा। फिलहाल प्रदेश में बारिश की कोई संभावना नहीं है।

प्रदेश में सख्त सुरक्षा के बीच 12वीं की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ

परीक्षाएं सुबह 9 से 12 बजे तक हो रही आयोजित

विजय मत, भोपाल

कडी सुरक्षा व्यवस्था की बीच मध्य प्रदेश में 12वीं बोर्ड परीक्षा की प्रारंभ हो गई। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर छात्रों की भीड़ नजर आई। परीक्षाएं सुबह 9 से 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। प्रदेश के 3856 परीक्षा केंद्रों पर करीब 7 लाख छात्र पहला पेपर दे रहे हैं। इस साल एमपी बोर्ड की परीक्षाओं में 10वीं और 12वीं के कुल 16 लाख से अधिक छात्र शामिल हो रहे हैं। इनमें लगभग 9 लाख छात्र 10वीं और 7 लाख छात्र 12वीं के हैं। राजधानी भोपाल में 12वीं के 26 हजार से अधिक और 10वीं के 30 हजार से ज्यादा छात्र परीक्षा दे रहे हैं। इसके लिए शहर में 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इतने बड़े स्तर पर परीक्षा कराने के लिए शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है। बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए इस बार सख्त व्यवस्था की गई है। हर जिले में चार-चार फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात हैं। कई परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। संवेदनशील केंद्रों की मॉनिटरिंग सीधे भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से हो रही है। प्रश्न-

पत्रों को थानों से परीक्षा केंद्र तक ले जाने की पूरी प्रक्रिया में वीडियोग्राफी और सुरक्षा गार्ड लगाए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो सके। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ पर भी रोक लगाई गई है। शिक्षा विभाग ने साफ निर्देश दिए हैं कि सुबह 8:30 बजे के बाद किसी भी छात्र को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। छात्रों को समय से पहले पहुंचने की सलाह दी गई है। इनविजिलेटरों और केंद्राध्यक्षों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं।

भोपाल बन रहा डिजिटल इलाज की राजधानी

प्रदेश में सर्वाधिक साढ़े तीन हजार से ज्यादा हेल्थ प्रोफेशनल्स आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े : सीएमएचओ भोपाल

विजयमत, भोपाल। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत भोपाल डिजिटल हेल्थ का आदर्श मॉडल बनकर उभर रहा है। भोपाल को पहला और पूरी तरह डिजिटल स्वास्थ्य जिला बनाए जाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे है। इससे मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मिल सकेंगी। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा भी समय समय पर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा की जा रही है, विगत दिनों सभी शासकीय अस्पतालों को अपनी हेल्थ फैसिलिटी को रजिस्टर्ड करने के निर्देश दिए गए हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन में भोपाल में सबसे अधिक 3525 चिकित्सक और स्वास्थ्य पेशेवर पंजीकृत एवं सत्यापित किए गए हैं। इसी तरह 1087 स्वास्थ्य संस्थाओं की एचएफआर आईडी बनाई जा चुकी है। जिले में 17 लाख से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी है, जबकि 53 लाख से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड आभा आई डी से लिंक किए जा चुके हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की शुरुआत 27 सितंबर 2021 को देशभर में की गई थी। इसका उद्देश्य देश में डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से मेडिकल रिकॉर्ड का सुरक्षित रूप से स्टोर और एक्सेस करने की सुविधा मिल रही है।

विजय मत एंकर गेहूं की एमएसपी के लिए पंजीयन जारी

किसानों को गेहूं पर मिलेगा 175 रुपए प्रति क्विंटल का फायदा

विजय मत, भोपाल

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल बेचने वाले मप्र के किसानों को बड़ा फायदा होने जा रहा है। केंद्र सराकर द्वारा विपणन वर्ष 2026-27 की रबी फसलों की एमएसपी लागू करने के बाद अब फसलों की बिक्री शुरू होने वाली है। गेहूं की एमएसपी पर बिक्री के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है, लेकिन मप्र के किसानों के लिए खास बात ये है कि केंद्र द्वारा तय एमएसपी से भी ज्यादा पर किसानों की फसल खरीदी जाएगा। गेहूं पर एमएसपी के साथ मप्र के किसानों को ज्यादा फायदा मिलेगा। दरअसल, विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं की एमएसपी के साथ मप्र में 15 रु क्विंटल का एक्स्ट्रा बोनस भी मिलेगा। इस लिहाज से केंद्र द्वारा तय 2585 रु प्रति क्विंटल के साथ 15 रु जोडक़र गेहूं 2600 रु प्रति क्विंटल पर खरीदा जाएगा। यानी विपणन वर्ष 2026-27 में मप्र के किसानों को गेहूं पर 175 रु प्रति क्विंटल का फायदा मिलने जा रहा है। केंद्र सरकार

ने विपणन वर्ष 2026-27 की रबी फसलों में गेहूं के साथ, जौ, चना, मसूर, सरसों और कुसुम पर भी एमएसपी बढ़ाई है। गेहूं पर जहां 6.59 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है तो वहीं, जौ में 8.58 प्रतिशत, चना में 3.98 प्रतिशत, मसूर में 4.47 प्रतिशत, तोरिया-सरसों में 4.2 प्रतिशत और कुसुम में 10.1 प्रतिशत की बढ़त की गई है।

मप्र में रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं की एमएसपी खरीदी के लिए रजिस्ट्रेशन 7 फरवरी से शुरू हो चुका है। मप्र में किसानों को एमएसपी का लाभ दिलाने के लिए 3186 केंद्र बनाए गए हैं, जहां 7 फरवरी से 7 मार्च तक किसान अपनी फसलों का रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। इस बाद गेंहू की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होगी। इस मामले पर जानकारी देते हुए विपणन अधिकारी हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि इस बार किसान भाईयों के लिए फसलों के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था बेहद आसान बनाई गई है। गेहूं पर एमएसपी के साथ सरकार बोनस भी देगी।

सीधे अकाउंट में जाएगा एमएसपी का पैसा

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एमएसपी को लेकर कहा कि किसानों को सशक्त बनाना और उनकी आय बढ़ाना सरकार की सर्वेच्च प्राथमिकता है। खरीफ के बाद रबी फसलों के लिए भी एमएसपी का लाभ किसानों को मिलने जा रहा है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का सीधा लाभ दिलाने के लिए नई भुगतान प्रणाली भी लागू की गई है। इससे फसल की एमएसपी का पैसा सीधे किसान के खाते में जाएगा। किसान द्वारा एमएसपी पर फसल बेचे जाने पर भुगतान उनके बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किया जाएगा। इसके लिए किसानों के आधार से लिंक बैंक खातों की भी जानकारी दर्ज की जा रही है। अगर आधार और बैंक अकाउंट लिंक करने में किसान को समस्या आती है, तो एमएसपी रजिस्ट्रेशन के दौरान जिस बैंक खाते की जानकारी दी जाएगी, उसमें एमएसपी का भुगतान किया जाएगा। ऐसे में किसानों से अपील की गई है कि वे रजिस्ट्रेशन से पहले अपने बैंक अकाउंट, मोबाइल नंबर व आधार संबंधी जानकारी अपडेट रखें और इन्हें लिंक रखें।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

केवल इच्छा करने से कोई व्यक्ति नैतिक नहीं बन जाता

आधुनिक मूल्यों ने जहाँ एक ओर वास्तविक उपलब्धियाँ दी हैं, वहीं पारंपरिक नैतिक अवधारणाओं को गंभीर क्षति भी पहुँचाई है, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता। आधुनिकता के आलोचक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हैं, लेकिन वे अक्सर उन ऐतिहासिक परिस्थितियों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जिनसे आधुनिक मूल्य उत्पन्न हुए।आधुनिकता से पूर्व यूरोप या समग्र रूप से विश्व का जीवन प्रायः कठोर, पदानुक्रमित और अनेक मामलों में अमानवीय था। व्यक्ति का कल्याण अक्सर सामाजिक संस्थाओं के अधीन पूरी तरह दबा दिया जाता था, यहाँ तक कि कई बार व्यक्तिगत गरिमा स्वयं पाप के समान मानी जाती थी। कृषिदासता (दासप्रथा) इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार व्यक्ति का दमन क्रूर सीमाओं तक पहुँच सकता था। सभी मनुष्यों को मनुष्य नहीं माना जाता था; बहुसंख्यक लोगों के साथ पशुओं या संपत्ति (चैटल) जैसा व्यवहार किया जाता था। ऐसे बाज़ार थे जहाँ मनुष्यों को गाय, भैंस या घोड़े की तरह खरीदा-बेचा जाता था, और इस पर धर्म मौन बना रहा, जो मानव इतिहास के तर्क में एक वास्तविक पाप था।

आधुनिकता की ओर संक्रमण ने केवल व्यक्तियों को मुक्त ही नहीं किया, बल्कि दीर्घकाल से चले आ रहे सामाजिक बंधनों और सुरक्षा के रूपों को भी नष्ट कर दिया। इस टूटन ने अस्थिरता और अराजकता को जन्म दिया, जिसे उस समय जिस रूप में धर्म संस्थागत था, वह न तो संभाल सका और न ही उसका कोई अर्थपूर्ण विकल्प दे सका। जैसे-जैसे आधुनिक आर्थिक शक्तियाँ उभरीं, औद्योगिक उत्पादन से जुड़ी बाज़ार-आधारित अर्थव्यवस्थाएँ, धार्मिक संस्थाएँ इन नई प्रणालियों के साथ गहराई से उलझती चली गईं। भविष्यवाणी-सदृश नैतिक आलोचना प्रस्तुत करने के बजाय, चर्च ने एक ओर मध्ययुगीन सामाजिक सत्ता संरचनाओं को बचाए रखने का प्रयास किया और दूसरी ओर आधुनिक आर्थिक विस्तार में भागीदारी भी की। इस अंतर्विरोध ने उसकी नैतिक विश्वसनीयता को कमजोर कर दिया। ऐतिहासिक उदाहरण इस विफलता को स्पष्ट करते हैं। स्पेनिश और पुर्तगाली औपनिवेशिक साम्राज्यों के साथ चर्च की संलिप्तता तथा प्रारंभिक है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

द्रोण-एकलव्य का मिथ्यांकन : भारतीय स्मृति पर वामपंथी वैचारिक आक्रमण

कैलाश चन्द्र

द्रोणाचार्य को अत्याचारी, एकलव्य को शोषित, और समूची गुरु-शिष्य परम्परा को सामंती-जातिवादी घोषित करना वामपंथी विमर्श की पुरानी रणनीति है। पर सच्चाई यह है कि उस युग में द्रोण राजगुरु थे, राजधर्म से बंधे थे, और युद्ध-राजनीति के नियमों का पालन कर रहे थे। उन्हें अपनी शिक्षा का संतुलन और हस्तिनापुर की रणनीतिक संरचना बनाए रखनी थी। यह निर्णय आलोचना से परे नहीं है, पर उसे आज की जातिगत-राजनीति में फिट कर देना वैचारिक अपराध है, लेकिन आधुनिक विमर्श की समस्या यह है कि वह कथा को इतिहास मान लेता है और इतिहास को राजनीतिक ईंधन। जो लोग आज द्रोणाचार्य को दलित-विरोधी कहकर कोसते हैं, वे यह नहीं बताते कि एकलव्य स्वयं निषाद-राजा का पुत्र था, आदिवासी समाज में जन्मा एक युवा नहीं है।

भारतीय संस्कृति पर आक्रमण तलवारों से नहीं, कथाओं से हुआ है। जो सभ्यता पाँच हज़ार वर्ष तक किसी विदेशी साम्राज्य के सामने नहीं झुकी, वह बीते पचास वर्षों में एक अजीब हथियार से घायल हुई—कथा-विकृति से। महाभारत के द्रोणङ्कएकलव्य जैसा प्रसंग, जो गुरु-शिष्य परम्परा और तपस्या का प्रतीक था, उसे मार्क्सवादी-वामपंथी विचारों ने शोषण का प्रतीक बना दिया। यह केवल कहानी का अपहरण नहीं था, बल्कि एक समूची संस्कृति के नैरेटिव को तोड़कर उसे अपराधी साबित करने की संगठित साजिश थी।

जब कोई सभ्यता अपने नायकों को समझना छोड़ दे और शत्रु उसके लिए व्याख्या तैयार करे—तो पराजय सिर्फ समय की बात रह जाती है। यही भारत ने सहा है।आज ''अब किसी द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा नहीं कटवाने दिया जाएगा'' जैसे वाक्य नए युग के राजनीतिक 'बज़ वर्ड' बन चुके हैं। पर यह वाक्य जितना सुनने में कर्णप्रिय है, उतना ही कपटपूर्ण भी। यह वाक्य भारतीय परम्परा पर दोषारोपण की एक निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है।

द्रोणाचार्य को अत्याचारी, एकलव्य को शोषित, और समूची गुरु-शिष्य परम्परा को सामंती-जातिवादी घोषित करना वामपंथी विमर्श की पुरानी रणनीति है। पर सच्चाई यह है कि उस युग में द्रोण राजगुरु थे, राजधर्म से बंधे थे, और युद्ध-राजनीति के नियमों का पालन कर रहे थे। उन्हें अपनी शिक्षा का संतुलन और हस्तिनापुर की रणनीतिक संरचना बनाए रखनी थी। यह निर्णय आलोचना से परे नहीं है, पर उसे आज की जातिगत-राजनीति में फिट कर देना वैचारिक अपराध है, लेकिन आधुनिक विमर्श की समस्या यह है कि वह कथा को इतिहास मान लेता है और इतिहास को राजनीतिक ईंधन। जो लोग आज द्रोणाचार्य को दलित-विरोधी कहकर कोसते हैं, वे यह नहीं बताते कि एकलव्य स्वयं निषाद-राजा का पुत्र था, आदिवासी समाज में जन्मा एक युवा नहीं—एक शक्तिशाली जनजातीय राजकुमार। परंतु वामपंथी विचारधारा की मजबूरी है कि उसे पीड़ितङ्कशोषित मॉडल चाहिए, इसलिए एकलव्य को उत्पीड़ित आदिवासी बना दिया गया। भारत की विविधता को समझने की जगह उसे वर्ग-युद्ध की कसौटी पर बांटा गया।

यह कथा-अपहरण अकेला नहीं है। होलिका-प्रह्लाद का प्रसंग भी इसी तरह विकृत किया गया। शास्त्रों में होलिका राक्षसी है, अपने ही भतीजे को मारने का प्रयत्न करने वाली अधर्म की प्रतीक। परंतु वामपंथी व्याख्याओं में उसे ''पितृसत्तात्मक उत्पीड़न का शिकार स्त्री'' कह दिया गया, और प्रह्लाद जैसे भक्त-बालक को ''धार्मिक कट्टरता द्वारा प्रभावित बाल मन'' कहकर प्रस्तुत किया गया। यह वही पद्धति है जिसमें राक्षस नायक और नायक अपराधी बनाए जाते हैं, ताकि समाज स्वयं से घृणा करना सीखे।इसी तर्ज़ पर रावण को ''द्रविड़ नायक'' और राम को ''आर्य आक्रांता'' कहा गया। दुर्गा को ''आर्य देवी'' और महिषासुर को ''आदिवासी नायक'' घोषित कर दिया गया। वामपंथी विश्वविद्यालयों में ''महिषासुर शहादत दिवस'' मनाया जाता है, ताकि देवी-पूजा पर प्रश्नचिह्न लगाया जा सके। यह वही रणनीति है—कथा बदलो, अर्थ बदलो, और समाज की स्मृति को खोखला कर दो।यहाँ तक कि श्रीकृष्ण को भी नहीं छोड़ा गया। भारत के महानतम दार्शनिक राजनीतिक नायक कृष्ण को ''चरवाहा कबीले का बाहुबली'' कहा गया और गीता को ''युद्ध का औचित्य साबित करने का ग्रंथ''। बुद्ध को ''पहला विद्रोही'' और कबीर को ''धर्म विरोधी सुधारक'' घोषित किया गया—जबकि दोनों भारतीय संस्कृति के भीतर से उपजे दिव्य सूत्रधार थे।

यह सब इसलिए किया गया ताकि भारतीय समाज अपनी संस्कृति पर संदेह करे, अपनी परंपरा को बोझ समझे, और आने वाली पीढ़ियाँ अपने नायकों से विमुख हो जाएँ। कथा अपहरण ही वैचारिक उपनिवेशवाद की पहली सीढ़ी है। यह वही करतूत है जो औपनिवेशिक इतिहासकारों ने रामायण महाभारत को ''काल्पनिक कबीलाई संघर्ष'' कहकर की थी। आज वही कार्य भारत के भीतर बैठे वैचारिक एजेंट कर रहे हैं।द्रोण एकलव्य की कहानी को समझने के लिए हमें 'युगधर्म' और 'राजधर्म' की दृष्टि अपनानी होगी। द्रोण स्वयं लक्ष्य, नियम और संतुलन के प्रतीक थे। वे कठिन निर्णय लेने वाले गुरु थे, कोई निजी स्वार्थी ब्राह्मण नहीं। अगर द्रोण में जातीय अहंकार होता तो वे वेद धनुर्वेद दोनों के ज्ञान का प्रसार राजकीय सीमाओं से बाहर नहीं करते। पर उन्होंने किया। परंपरा में द्रोण को कभी अत्याचारी नहीं कहा गया; उन्हें न्यायधर्म का पालन करने वाला कठोर किंतु निष्पक्ष शिक्षक माना गया। पर आधुनिक वामपंथी विमर्श इन्हें उसी चश्मे से देखता है जिससे वह हर उद्योगपति को पूँजीपति और हर ब्राह्मण को शोषक घोषित करता है।

लेकिन आज का भारत द्रोणाचार्य को शोषक नहीं मानता। आज का भारत तो हर गाँव में खड़े सरकारी शिक्षक, हर खेल कोच, हर NCC ट्रेनर और हर गुरुकुल के आचार्यों को द्रोणाचार्य का अवतार मानता है—जो हर एकलव्य को अवसर देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज लाखों एकलव्य स्पोर्ट्स स्कूल, एकलव्य आवासीय विद्यालय और आदिवासीयुवा मंच स्थापित हैं, जहाँ कोई अंगूठा नहीं कटता बल्कि हथियार, कलम, कंप्यूटर और कला का अभ्यास दिया जाता है।

एकलव्य का असली खतरा आज कहीं और है। आज उसका अंगूठा कटाने की कोशिश वे लोग कर रहे हैं जो उसे खतना और बपतिस्मा के चक्र में घसीटना चाहते हैं। वे मिशनरी व्यवस्थाएँ जो आदिवासी क्षेत्रों में प्रवेश कर उसकी भाषा, उसकी संस्कृति, उसके देवता और उसकी परंपराओं को खा जाती हैं। यह प्रक्रिया द्रोणाचार्य नहीं करते—यह काम उन लोग का है जो अपने हाथ का भला चाहते हैं, जिनके लिए एकलव्य मात्र ''डेटा पॉइंट'' है, ''कन्वर्ज़न लक्ष्य'' है, ''राजनीतिक वोट ब्लॉक'' है।द्रोण ने कभी एकलव्य की पहचान नहीं छीनी। पर आज जो शक्तियाँ सक्रिय हैं, वे एकलव्य को ''एकलव्य'' ही नहीं रहने देना चाहतीं। उसे ''अंधभक्त आदिवासी'' कहकर अपमानित करती हैं, और फिर उसी क्षण उसे अपने धर्म राजनीतिक जाल में फँसाती हैं। यही वास्तविक अंगूठा कटाई है—जहाँ पहचान, परंपरा और संस्कृति का अंगूठा काट लिया जाता है, ताकि अगली पीढ़ी कभी अपने पूर्वजों को पहचान ही न सके। और कथाविकृति का खेल यहीं नहीं रुकता। जैसे 'शंबूक वध' को ब्राह्मणवाद का अत्याचार बताया गया, जबकि अनेक शास्त्रीय व्याख्याओं में वह ''आत्मघाती तंत्रङ्कअनुष्ठान'' और ''राजकीय मर्यादा भंग'' से जुड़ा प्रसंग था।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

केल्विन का असिस्टेंट से जेनेटिक साइंटिस्ट तक का रहा सफर

संजय गोस्वामी

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने हेरेडिटी और सेक्स क्रोमोसोम की नींव रखने में मदद की। केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक जाने-माने अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में थॉमस हंट मॉर्गन के फ्लाई रूम पर अपने काम के लिए जाने जाते थे। उनका जन्म 11 जनवरी, 1889 को शूयलर फॉल्स, न्यूयॉर्क में हुआ था। वे हेरेडिटी की क्रोमोसोम थ्योरी को डेवलप करने में एक अहम व्यक्ति थे। वे एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके हेरेडिटी में क्रोमोसोम की भूमिका तय की। उन्होंने 1910 में थॉमस हंट मॉर्गन के लैब असिस्टेंट के तौर पर यह ट्रैक करना शुरू किया कि इसके क्रोमोसोम में म्यूटेशन ने हेरेडिटी को कैसे बदला। ब्रिजेस ने सेक्स क्रोमोसोम को अलग करने में होने वाली नैचुरल गलतियों का इस्तेमाल करके यह दिखाया कि क्रोमोसोम की गलत संख्या से अजीब फ्रूट फ्लाई पैदा होती हैं। ऐसी गलतियों को नॉनडिसजंक्शन कहा जाता है क्योंकि क्रोमोसोम ठीक से जुड़े नहीं होते हैं, जिससे गैमीट में सेक्स क्रोमोसोम की एक एक्स्ट्रा कॉपी होती है या बिल्कुल नहीं होती। उन्होंने मक्खी म्यूटेंट के नाम रखने के लिए एक नोमेनक्लेचर सिस्टम बनाया। उन्होंने ड्रोसोफिला जीन को लार के क्रोमोसोम में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा। ÷कोलंबिया यूनिवर्सिटी (1909) में एडमिशन लेने के एक साल बाद, ब्रिजेस ने वहां जेनेटिसिस्ट थॉमस हंट मॉर्गन के लिए लैब असिस्टेंट की नौकरी कर ली। उन्होंने और मॉर्गन ने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके एक एक्सपेरिमेंटल डिज़ाइन बनाया, जिससे पता चला कि कीड़े में जेनेटिक बदलाव उसके क्रोमोसोम में बदलाव में दिख सकते हैं। इन एक्सपेरिमेंट से ÷जेनेटिक मैप÷ बने और क्रोमोसोम इनहेरिटेंस की थ्योरी पक्की हुई। ब्रिजेस ने मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टवेंट के साथ मिलकर 1925 में ये नतीजे पब्लिश किए। उसी साल, उन्होंने सेक्स इन रिलेशन टू क्रोमोसोम्स एंड जीन्स पब्लिश किया, जिससे पता चला कि ड्रोसोफिला में सेक्स न सिर्फ सेक्स क्रोमोसोम्स (एक्स और वाय) से तय होता है, बल्कि यह क्रोमोसोम बैलेंस का नतीजा है—जो फीमेल सेक्स नंबर क्रोमोसोम्स (एक्स) और नॉन सेक्स क्रोमोसोम्स (ऑटोसोम्स) की संख्या के बीच का है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन को साकार कर रही नरेन्द्र मोदी सरकार

सुरेन्द्र शर्मा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिन्होंने भारत के स्व को पहचानकर भारतीयता के आधार पर भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न देखा जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की भी चिंता की और कहा बिना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उद्धार हुए राष्ट्र का अपने बल पर खड़ा होना मुश्किल है "अंत्योदय से ही राष्ट्रोदय" संभव है का मंत्र देने वाले आज की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुंज और जनसंघ के आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नियति ने 11 फरवरी 1968 को देश से छीन लिया पर उनके बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्र सरकार एवं देश के 19 राज्यों की भाजपा एवं भाजपा गंठबंधन की सरकारें दीनदयाल जी के स्वप्न को साकार कर रही हैं। इसका एकात्म मानव दर्शन का मूल उद्देश्य है।

भारत को अगर विश्व गुरु बनाना है तो उसका आधार केवल भारत का ही चिंतन हो सकता है , पश्चिम के आधार पर चलकर हम केवल पश्चिमी देशों के पिछलग्गू तो बन सकते हैं हम दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकते,भारत को अपने स्व को पहचानकर आगे बढ़ना होगा।यह चिंतन आधुनिक भारत के समस्त मनीषियों का रहा है इस चिंतन को एकात्म मानव दर्शन के रूप में प्रतिपादित करने वाले थे भारतीय जनसंघ के तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिन्होंने भारत के स्व को पहचानकर भारतीयता के आधार पर भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न देखा जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की भी चिंता की और कहा बिना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उद्धार हुए राष्ट्र का अपने बल पर खड़ा होना मुश्किल है अंत्योदय से ही राष्ट्रोदय संभव है का मंत्र देने वाले आज की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुंज और जनसंघ के आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नियति ने 11 फ़रवरी 1968 को देश से छीन लिया पर उनके बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्र सरकार एवं देश के 19 राज्यों की भाजपा एवं भाजपा गंठबंधन की सरकारें दीनदयाल जी के स्वप्न को साकार कर रही हैं।।

एकात्म मानव दर्शन का मूल उद्देश्य मनुष्य को केवल आर्थिक प्राणी न मानकर उसे शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप मानना है। यह दर्शन भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों पर आधारित है। वर्तमान समय में यदि भारत की राजनीति में इस दर्शन की व्यावहारिक अभिव्यक्ति देखी जाए, तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इसके तत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

एकात्म मानव दर्शन का आधार यह है कि समाज, राष्ट्र और व्यक्ति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि एक अखंड इकाई के रूप में जुड़े हुए हैं। यह दर्शन पश्चिमी विचारधाराओ पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों से भिन्न है। जहाँ पूंजीवाद व्यक्ति को केंद्र में रखता है और साम्यवाद राज्य को, वहीं एकात्म मानव दर्शन समाज और संस्कृति को केंद्र में रखता है।

इस दर्शन के अनुसार विकास केवल भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक भी होना चाहिए। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाना ही इसका उद्देश्य है, जिसे अंत्योदय कहा गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का साधन माना है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा एकात्म मानव दर्शन की भावना को ही प्रतिबिंबित करता है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की योजनाएँ एकात्म मानव दर्शन की अंत्योदय अवधारणा को साकार करती हैं।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। प्रधानमंत्री जनधन योजनामें अब तक कुल लाभार्थी संख्या लगभग 57.11 करोड़ लोगों तक पहुंच चुकी है। जिनमें देश भर के नागरिक शामिल हैं और ये संख्या लगातार बढ़ रही है इन खातेधारकों में ग्रामीण और शहरी दोनों शामिल हैं, तथा इन खातों के माध्यम से लाभार्थियों को बैंकिंग, डेबिट कार्ड, बीमा, पेंशन तथा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसे कई लाभ दिए जाते हैं। इन खातों के खुलने के बाद सरकार की योजनाओं से मिलने मिलने वाली राशि सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो रही है और बिचौलियों से जनता को राहत मिली है।

उवला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति और सम्मानजनक जीवन मिला।प्रधानमंत्री उवला योजना से लगभग 10.33 करोड़ परिवार देश भर में उवला योजना का लाभ उठा रहे हैं।प्रधानमंत्री उवला योजना (से लाभ पाने वाले परिवारों में पहली एलपीजी कनेक्शन के साथ गैस चूल्हा भी प्रदान किया जाता है, जिससे घरेलू स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की। अब तक लगभग 40.45 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो लगभग 14.69 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। देश भर के गरीब परिवारों तक स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा पहुँच चुकी है, जिससे वे 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज कैशलेस तौर पर अस्पतालों में प्राप्त कर सकते हैं। पूरे देश में 30,000 से अधिक अस्पताल (सरकारी निजी) योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं, ताकि लाभार्थी आसानी से इलाज करवा सकें। ये योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता का भाव भी उत्पन्न करती हैं, जो एकात्म मानव दर्शन का मूल तत्व है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी चिंतन।एकात्म मानव दर्शन स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देता है। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत आत्मनिर्भर भारत अभियान इसी सोच का आधुनिक रूप है। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक,तकनीकी और औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान—वोकल फॉर लोकल—भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वाभिमान को भी सुदृढ़ करता है। आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसकी शुरुआत मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि देश अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभा सके।आत्मनिर्भर भारत का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमता को मजबूत करते हुए दुनिया से जुड़ा हुआ भारत बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जीर्णोद्धार व संवर्धन को उच्च प्राथमिकता दी है, जो आस्था, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत दोनों को सुदृढ़ करते हैं। इन परियोजनाओं से न केवल मंदिर संरचनाओं को संरक्षित किया गया है, बल्कि भक्तों के लिए सुविधाओं, सुरक्षा और सुगम यात्रा का भी बेहतर प्रबंध सुनिश्चित किया गया है।योग को वैश्विक पहचान, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, राम मंदिर निर्माण, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020—ये सभी प्रयास भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8635

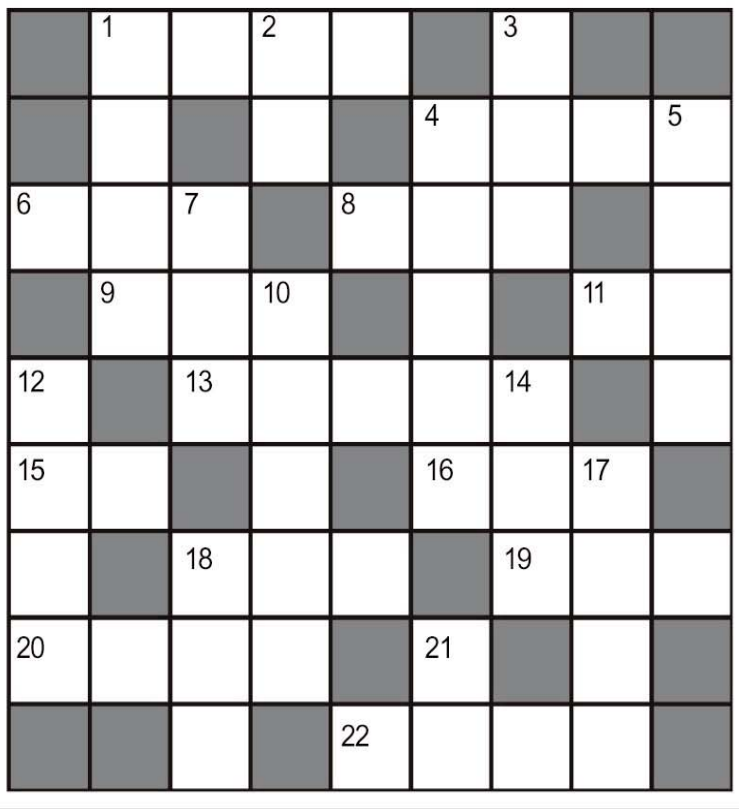

	1		2			3		
					4			5
6		7		8				
	9		10				11	
12		13				14		
15					16		17	
		18				19		
20					21			
				22				

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8634 का हल

क	दा	चा	र		स	त	ल	ज
ल		य	ती	म	खा	ना		हा
प	र			दा			चा	ल
ना	च		क	री	ब		ल	त
	ना	च	ना		ला	ल	च	
आ	का		त	ह	त		ल	क
रा	र			सी			न	या
ध		न	वी	न	त	म		म
ना	म	व	र		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

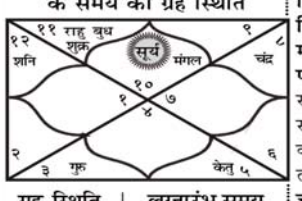

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.45 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	08.18 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.48 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.27 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.40 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.19 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	वृश्चिक	00.34 ब.से
		धनु	02.50 बजे से
		मकर	04.55 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 42 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 09.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 10.53 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 09.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.13 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 14° 06' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872617 **जूलियन दिन** 2461082.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 22 **विशेष** पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

कलेक्टर से मिले मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष

सीधी। जिले के कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी से मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला सीधी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय 9 फरवरी को सौजन्य भेंट कर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली के द्वारा हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ पुस्तक एवं शैक्षणिक कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है।जिसका विमोचन कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी से कराया गया। श्री पाण्डेय ने बताया कि कलेक्टर द्वारा बड़े ही उदारता एवं मृदुभाषिता के साथ मुझे बैठाया गया और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सीधी के बारे में तथा संघ के कर्तव्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। मेरे द्वारा बताया गया कि यह संगठन राष्ट्रहित, शिक्षा हित, छात्र हित, शिक्षक हित एवं समाज हित में निरंतर कार्य करता चला आ रहा है। पूरे भारतवर्ष में एक साथ सभी विद्यालयों में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान का शपथ कराया गया। स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी से लेकर सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी तक प्रत्येक विद्यालय में कर्तव्य बोध दिवस मनाने का निर्णय संघ के द्वारा लिया गया। हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ की परिकल्पना के साथ पूरे भारतवर्ष में विद्यालय को तीर्थ बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी प्रकार से अनेक कार्यक्रम जो राष्ट्रहित में हो और शिक्षा हित, छात्र हित में हो चलाए जा रहे हैं। शिक्षकों की लंबित मांगे एवं समस्याओं के बारे में भी बताया गया। कलेक्टर द्वारा प्रसन्नता जाहिर करते हुए सराहना की गई और बहुत ही उदारता के साथ कहा गया की जहां पर मेरी जरूरत होगी मुझे बताया जाए मै पूर्ण सहयोग करुंगा। इसके बाद श्री पाण्डेय अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत सीधी शैलेंद्र सिंह सोलंकी, एसडीएम गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर प्रियल सिंह जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी सीधी, एसडीएम सिहावल सुश्री प्रिया पाठक, नायब तहसील गिर्द सेमरिया सुश्री एकता शुक्ला एवं जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह से भेंट कर शैक्षणिक कैलेंडर, हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ पुस्तक, अभिनंदन पत्र एवं डायरी भेंट किया गया सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा राष्ट्रहित, शिक्षा हित, छात्र हित, समाज हित एवं शिक्षक हित में किए जा रहे सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई।

कांग्रेस समन्वय समिति की मासिक बैठक आयोजित

सीधी। कांग्रेस समन्वय समिति की मासिक बैठक कांग्रेस कार्यालय जवाहर भवन में जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा की विशेष उपस्थिति जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने की अध्यक्षता और समन्वय समिति के सदस्यों पूर्व जिला अध्यक्ष आनंद सिंह, पूर्व अध्यक्ष चिंतामणि तिवारी, पूर्व अध्यक्ष रुद्रप्रताप सिंह, नगर पालिका परिषद सीधी की अध्यक्ष काजल वर्मा, उपाध्यक्ष दानबहादुर सिंह, संगठन महासचिव ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, युवा कांग्रेस अध्यक्ष करुण सिंह, सेवादल अध्यक्ष अरविन्द सिंह रोशन, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजबहोर जायसवाल एवं आईटी सेल अध्यक्ष नागेश्वर साकेत की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी माह में कांग्रेस संगठन के विस्तार, बूथ स्तर तक मजबूती, तथा प्रस्तावित जनआंदोलनों और कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही जिले से जुड़े जनहित के ज्वलंत मुद्दों को सरकार एवं प्रशासन के समक्ष आक्रामक, प्रभावी और लोकतांत्रिक तरीके से उठाने की रणनीति तय की गई। समन्वय समिति के सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार प्रमुखता से रखते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसका समन्वय और जमीनी जुड़ाव है। समन्वय समिति के माध्यम से संगठन के हर घटक को एक सूत्र में पिरोकर जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। आने वाले समय में कांग्रेस जनता के मुद्दों पर सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। वहीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिले में व्याप्त समस्याओं, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और आम नागरिकों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत कर जनसंघर्ष को और तेज किया जाएगा।बैठक के अंत में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि कांग्रेस पार्टी जनहित के सवालों पर निरंतर संघर्षरत रहेगी ।

न्यायाधीश ऋषि तिवारी की स्मृति में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित

सीधी। न्यायाधीश ऋषि तिवारी की स्मृति में 10 फरवरी को ऋषिकेश फ़ाउंडेशन द्वारा ऋषिकेश आश्रम बड़ा बांध हनुमानगढ़ में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आयोजन की ऋँखला में यह इकतालीसवाँ नेत्र परीक्षण शिविर था। निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर प्रत्येक माह की 10 तारीख को आयोजित किया जाता है। शिविर में हनुमानगढ़ सहित आस पास के लगभग बीस गाँवों से एक सौ दो मरीज नेत्र जाँच करवाने पहुँचे। पिछले माह जिन मरीज़ों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया था उनका फॉलोअप चेकप करने के उपरांत निःशुल्क चश्में वितरित किए गए। आज के शिविर में सभी आगंतुकों को ऋषिकेश फाउंडेशन के सेवादारों द्वारा जलपान करवाया गया। फिर चिकित्सकों द्वारा मरीज़ों नेत्र परीक्षण किया गया। परीक्षण के उपरांत आवश्यकता अनुसार निःशुल्क आई ड्राप वितरित किए गए । जाँच के बाद 25 मरीजों को मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन हेतु चित्रकूट रवाना किया गया। सेवादरों द्वारा शिविर में पहुँचे सभी आगंतुकों को बिस्किट भेंट किए गए।

युवा संवाद में दिखी अटल व्यवहार की मजबूत पकड़

युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का स्वागत, जिला अध्यक्ष पद के कई दावेदार

विजय मत, अनूपपुर

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के अनूपपुर आगमन पर जिलेभर के युवा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। यह कार्यक्रम केवल एक स्वागत समारोह नहीं, बल्कि जिले में युवा नेतृत्व की ताकत और दिशा को दर्शाने वाला आयोजन बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत चचाई तिराहा से भव्य बाइक रैली के साथ हुई, जो बरसाना पैलेस तक पहुंची। सैकड़ों की संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता झंडों और पार्टी प्रतीकों के साथ रैली में शामिल हुए। रैली का नेतृत्व कोतमा मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष अटल व्यवहार ने किया, जिनकी अगुवाई में कोतमा क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे।

बरसाना पैलेस में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह, युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सबसे अधिक चर्चा अटल व्यवहार को लेकर रही। युवा मोर्चा में उनकी लगातार सक्रियता, संगठनात्मक पकड़ और युवाओं में प्रभाव को देखते हुए उन्हें युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे युवाओं ने अटल व्यवहार के नेतृत्व पर भरोसा जताया और उन्हें एक मजबूत, भविष्य का नेता बताया।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार के बजट को युवाओं के हित में बताया और कहा कि भाजपा युवाओं को नेतृत्व के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संगठन को और मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान आगामी चुनावों और संगठन विस्तार को लेकर भी चर्चा हुई। पूरे आयोजन में युवाओं का जोश और एकजुटता साफ दिखाई दी, वहीं अटल व्यवहार का बढ़ता कद इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी राजनीतिक चर्चा का विषय बना रहा।

निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर, धीमी रफ्तार काम पर हुए नाराज

15 दिन में रिटेनिंग वॉल फर्श में मिट्टी भराव पूरा करने दिए निर्देश

विजय मत, अनूपपुर

जिला मुख्यालय अनूपपुर के रेलवे फाटक पर निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के कार्यों का मंगलवार की दोपहर कलेक्टर हर्षल पंचोली निरीक्षण करने पहुंचे। जहां गार्डर वर्क होने के बाद कामों में आई धीमी रफ्तार पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते, मौके पर मौजूद ठेकेदार कर्मचारी और सेतु निगम के पदाधिकारियों की जमकर फटकार लगाई। इस दौरान उन्होंने प्रगति रिटेनिंग वॉल फर्श में मिट्टी भराव (फिलिंग) का कार्य 15 दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही विभागीय अधिकारियों से ब्रिज के दोनों ओर अलग-अलग टीमों के माध्यम से कार्य प्रारंभ करने को कहा। इसके अलावा निर्माण स्थल पर पड़ी अनावश्यक सामग्री को हटाकर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि वहां गुजरने वाले लोगों को असुविधा न हो। फ्लाईओवर ब्रिज के कामों में गति लगातार बनी रहे कलेक्टर ने एसडीएम कमलेश पुरी को प्रतिदिन काम निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जबकि सेतु निगम, पीडब्ल्यूडी विभागीय अधिकारियों एवं रेल ब्रिज ठेकेदार को कहा कि निर्माण कार्य को जल्दी पूर्ण किया जाए, काम में सुस्ती अब बर्दाश्त नहीं होगी। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान एसडीएम कमलेश पुरी, सब-इंजीनियर सेतु विभाग जीके चतुर्वेदी, रेलवे असिस्टेंट किशन द्विवेदी, ब्रिज निर्माण ठेकेदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि फिर भी फाटक पर फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण पिछले 8 वर्षों से लगातार जारी है। 12 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज में 14 जनवरी की रात रेलवे की ओर से गार्डर डालने का काम पूरा किया गया था। लेकिन गार्डर डालने के उपरांत दोनों दिशाओं में रिटेनिंग वॉल के काम के साथ अन्य काम लगभग बंद कर दिए थे।

माशिमं कक्षा 12 वीं बोर्ड की परीक्षा के प्रथम दिन 147 परीक्षार्थी अनुपस्थित

जिपं सीईओ ने परीक्षा केन्द्रो का किया निरीक्षण

विजय मत, अनूपपुर

मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा 12वीं (अंग्रेजी) की परीक्षा से बोर्ड परीक्षाओं का समर आरंभ किया गया। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे आयोजित हुई। बोर्ड परीक्षा की व्यवस्थाओं के लिए प्रशासनिक स्तर पर केंद्र अधीक्षकों के साथ स्थानीय पुलिस बल और पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति की गई थी। परीक्षा के लिए सुबह से अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों का परीक्षा केदो की ओर आगमन रहा। सुबह 8-30 से परीक्षार्थी परीक्षा केदो के भीतर प्रवेश करना आरंभ कर दिए थे, जहां व्यवस्थाओं के अनुरूप मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों को केंद्र के बाहर रखवाया गया था। इस दौरान परीक्षाओं की व्यवस्थाओं के जायजे में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व शासकीय

मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर का जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित परीक्षा केन्द्रो के केंद्राध्यक्ष उपस्थित थे। केंद्राध्यक्ष से जिपं सीईओ ने परीक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त की। जिसमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में कक्षा 12वीं अंग्रेजी विषय के दर्ज 117 में से 116 विद्यार्थी उपस्थित रहे एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहा। इसी तरह शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में कक्षा 12वीं अंग्रेजी विषय की परीक्षा में दर्ज 177 में से 176 विद्यार्थी उपस्थित रहे। एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी अनूपपुर तुला राम आर्मो ने बताया कि शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी के अंग्रेजी विषय की परीक्षा में दर्ज 6 हजार 126 परीक्षार्थियों के विरुद्ध 5 हजार 979 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। 147 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के लिए जिले में 56 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। नकल प्रकरण की संख्या निरंक रही।

वॉस ऑन व्हील सेवा में अनूपपुर प्रदेश के टॉप 10 जिलों में शामिल

विजय मत, अनूपपुर

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत मांग एवं पूर्ति के सिद्धांत पर स्वच्छता साथी वॉस आन व्हील सेवा कार्य में अनूपपुर जिला प्रदेश के टॉप 10 जिलों में शामिल हो गया है। जिले में अब तक ग्रामीणों के द्वारा 1661 घरेलू तथा संस्थागत शौचालय की साफ सफाई कर स्वच्छता साथियों द्वारा 1 लाख 40 हजार रूपए की आय अर्जित की गई है। जिले में कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिपं सीईओ अर्चना कुमारी के दिशा निर्देशन में जिले के ग्रामों की मैपिंग करते हुए 25 क्लस्टर में स्वच्छता साथी की सेवाएं आधुनिक स्वच्छता टूलकिट एवं पीपीई किट के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने का कार्य तत्परता से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है की वॉश ऑन व्हील सेवा के माध्यम से शौचालय की सफाई के लिए मांग करने पर मांग कर्ता द्वारा स्वच्छता साथी को घरेलू शौचालय के लिए 50 रुपए प्रति शौचालय जबकि संस्थागत सामुदायिक शौचालय के लिए 200 रुपए प्रति संस्था दर निर्धारित की गई है। जिसके अंतर्गत ग्रामीण नागरिक अपने घरेलू तथा संस्थागत शौचालय की साफ सफाई के लिए मांग दर्ज कर संबंधित ग्राम से संलग्न स्वच्छता साथी से सफाई कार्य में सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। विदित हो कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जिले के ग्रामों को ओडीएफ एवं ओडीएफ प्लस बनाए जाने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक संख्या में घरेलू शौचालय संस्था का शौचालय तथा आवश्यकता अनुसार सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया गया है।

श्रम कानून के विरोध में 12 फरवरी को एकदिवसीय हड़ताल श्रमिक संगठनों ने बुलाई गेट मीटिंग सफल बनाने किया आह्वान

विजय मत, अनूपपुर

अनूपपुर के बिजुरी क्षेत्र में एस ईसी एल की हसदेव उप क्षेत्र अंतर्गत संचालित 10 कोयला खदानों में आगामी 12 फरवरी को प्रस्तावित एकदिवसीय हड़ताल से पूर्व मंगलवार को श्रमिक संगठनों ने गेट मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें बीएमएस को छोड़कर शेष चार अन्य संगठन एटक, इंटक, एचएमएस, और सीटू संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में संयुक्त श्रमिक संघ ने आगामी दिनों आयोजित होने वाली एक दिवसीय हड़ताल को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा करते हुए सफल बनाने का आह्वान किया। बताया जाता है कि श्रम संगठन आगामी दिनों सरकार की ओर से लागू की जाने वाली चार श्रम कानून(लेबर कोड बिल) के खिलाफ आवाज उठाने की तैयारी

कर रहे हैं श्रम संगठनों का कहना है कि यह श्रम कानून बिल कोयला मजदूरों के हित में नहीं है इसे उनके रोजगार के अवसर एवं नौकरी प्रभावित होंगे वहीं उनका कहना है कि पूर्व में जहां हम श्रम कानून बिल लाने के लिए लगातार आवाज उठा रहे थे अब हालात यह है कि हम इस बिल के विरोध में खड़े हो रहे हैं संगठनों का मानना है कि वर्तमान में कंपनी औद्योगिक वार्ता में सभी श्रम संगठनों से बातचीत करती है लेकिन इस कानून के लागू होने से कंपनी किसी एक संगठन से बातचीत करेगी शेष और कर संगठन को नहीं बुलाया जाएगा। जिससे अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी के बीच जो बातचीत या रणनीति होगी वह अन्य पांचो श्रम संगठनों के बीच समान रूप से तय नहीं हो पाएगी। दरअसल अनूपपुर जिले में एसईसीएल जमुना कोतमा सहित हसदेव उप अंतर्गत लगभग 18 कोयला खदानें संचालित हो रही हैं। इनमें हसदेव क्षेत्र में लगभग 10 कोयला खदानें है जिनमें कई ओपन कास्ट कोल माइंस तो कई अंडरग्राउंड कोल माइंस है। इन खदानों में रोजाना हजारों टन कोयल का उत्पादन होता है। वही श्रम संगठनों के एकदिवसीय हड़ताल को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि इससे कोयला उत्पादन का काम प्रभावित और कंपनी को नुकसान होगा।

लापरवाही

शाखा प्रबंधक की लापरवाही से सरकार को लग रही आर्थिक चपत, जिला प्रबंधक नान ने लिखा महाप्रबंधक गुणवत्ता को पत्र

मोहनिया गोदाम में सड़ रहा लाखों का चावल

विजय मत, अनूपपुर

जिले के वेयर हाउसों में जमा चावल साफ सफाई एवं उठाव के आभाव में सड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार प्रबंधन द्वारा इनके सुरक्षा के उपाय नहीं किए जा रहे हैं। यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि जिला प्रबंधक नान द्वारा 05 फरवरी को महाप्रबंधक गुणवत्ता भोपाल को लिखा गया पत्र बता रहा है।

गौरतलब हो कि जिले के वेयर हाउस कार्पोरेशन का कार्य पटरी से उतर चुका है, कारण कि लंबे समय से जिले में पदस्थ वेयर हाउस प्रबंधक सुनील अग्रवाल अब कर्तव्यों के प्रति गम्भीर नहीं दिख रहे हैं, उनके द्वारा जिले के विभिन्न गोदामों में सड़ रहे खाद्यान्नों की सुरक्षा व्यवस्था एवं उनकी साफ सफाई को लेकर तनिक गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है, इतना ही नहीं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सुधार के लिए जो आदेश निर्देश जारी किए जाते है उन्हें भी दरकिनार किया जा रहा है। जबकि विभागीय लापरवाही से 67 लाख रुपए के

खाद्यान्न गबन मामले में भी कुछ इसी तरह के तथ्य सामने आए हैं, जिसकी जांच आज भी विभागीय अधिकारियों द्वारा की जा रही है और उसका निराकरण नहीं हो पाया है। अब अगर बात करें मोहनिया न्यू ओम वेयर हाउस की तो यहां से बुरहानपुर भेजा गया 710 बोरी चावल अत्यंत खराब पाया गया है, उसके अलावा अभी भी इसी गोदाम में मौजूद 120.60 में0टन चावल भण्डारित है जिसकी हालात भी बेहद खराब है। हैरानी की बात यह है कि इस संबंध में जिला प्रबंधक नान से लेकर भोपाल तक के अधिकारियों द्वारा पत्र शाखा प्रबंधक को लिखा जा चुका है लेकिन आज तक कोई सुधार नहीं किया गया, और विभागीय लापरवाही के चलते न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया में भंडारित 120.60 में0टन चावल साफ सफाई के आभाव में दिनों दिन खराब होता जा रहा है।

यह है जिला प्रबंधक नान का पत्र

न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया में भंडारित चावल की साफ सफाई एवं बुरहानपुर भेजे गए चावल के संबंध में जिला प्रबंधक नान द्वारा महाप्रबंधक गुणवत्ता भोपाल को लिखे गए पत्र में यह साफ उल्लेख किया गया है कि सीधी प्रदाय केंन्द्र अन्तर्गत स्थित जेभीएस गोदाम न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया गोदाम से बुरहानपुर जिले हेतु फोर्टीफाईड चावल का मूवमेंन्ट प्लान जारी किया गया था, जिसकें विरूद्ध न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया गोदाम प्रदाय केंन्द्र सीधी में भण्डारित मिलिंग वर्ष 2023.24 का प्राप्त सीएमआर फोर्टीफाईड चावल को सन्दर्भित पत्र कं0 03 के द्वारा शाखा प्रबंधक म0प्र0 स्टेट वेयरहाउसिंग एण्ड लार्जि0 कार्पो0 को मानक गुणवत्ता का चावल प्रदाय किये जाने हेतु सन्दर्भित पत्र कमांक 3 के द्वारा निर्देशत किया गया था मानक गुणवत्ता का चावल ही मूवमेंन्ट प्लान में अन्य जिले को प्रेषित करना है। किन्तु न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया गोदाम द्वारा भण्डारित फोर्टीफाईड चायल दिनांक 02.03.2025 को ट्रक कं0 0848 में विल्टी कं0 252251624820 के द्वारा 710 बोरी बजन 336.98 क्विं0 गोदाम द्वारा गाडियों में लोड करा दिया गया था जो बुरहानपुर जिले के कमलादेवी वेयरहाउस में उक्त मात्रा रिजेक्ट की गई है जो अत्यधिक खराब, क्षतिग्रस्त, रंगहीन, लाल दाने, जीवित कीटयुक्त अमानक स्तर का चावल पाया गया। सीधी जिले के न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया गोदाम प्रदाय केंन्द्र सीधी को निदेशित करने के बाद भी गोदाम में भण्डारित खराब स्कंध को बिना अपग्रेड किये ही बुरहानपुर प्रेषित कर दिया गया जिसके कारण उक्त मात्रा बुरहानपुर जिले के डब्लूएलसी द्वारा रिजेक्ट किया गया है। वर्तमान में आज दिनांक की स्थिति में न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया गोदाम में 120.60 में0टन चावल भण्डारित है।

न्यूज इन शॉर्ट

दिव्य मुस्कान महिला क्लब द्वारा ऑगनबाड़ी के बच्चों को पठन-पाठन सामग्री का वितरण

शहडोल जिले के रचनात्मक पृष्ठभूमि में निरंतर सक्रिय दिव्य मुस्कान महिला क्लब द्वारा पिछले दिनों नगर की एक आंगनबाड़ी में नन्हें-मुन्हें बच्चों के साथ ना सिर्फ समय बिताया गया बल्कि उनसे क्लब के सदस्यों ने ज्ञानवर्धक संवाद भी किया साथ ही बच्चों को पठन-पाठन की सामग्री और मौसमी गर्म वस्त्रों का वितरण किया । क्लब की अध्यक्षश्रीमती निभा गुप्ता ने एक जानकारी में बताया कि हाल ही में सम्पन्न हुई क्लब की मासिक बैठक में एक निर्धनपरिवार की कन्या के विवाह हेतु नकद राशि के अलावा ग्रहस्थी में बहु उपयोगी सामग्री एवं कपड़े भेंट कर कन्या के मंगल भविष्य की कामना प्रगट की गई तत्पश्चात परिवार ने क्लब की सभी सदस्यों को स्नेह आशीष प्रदान कर सभी का आभार प्रगट किया
इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता के साथ क्लब की संरक्षिका श्रीमती मंजू गुप्ता, नीति सिंघल उपाध्यक्ष छाया गुप्ता एवं समस्त सदस्य बहने उपस्थिति रही बैठक की मेजबानी रुचि गुप्ता, पूजा गुप्ता, शोभारत्नम ,संतोष खंडेलिया ने किया

जिले में 7200 विद्यार्थियो ने दी कक्षा 12 वीं की अग्रेंजी विषय की परीक्षा

शहडोल। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अमरनाथ सिंह ने जानकारी दी है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा के प्रथम दिन कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में 7200 विद्यार्थियो ने परीक्षा दी। परीक्षा हेतु जिले में 59 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 92 विद्यार्थी अनुपस्थित रहें, कोई भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। थाना धनपुरी क्षेत्रांतर्गत फरियादी चेतन चौधरी पिता स्व. पुनुआ चौधरी, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम सैगिन, थाना धनपुरी द्वारा गंभीर मार-पीट व गाली-गलौच करने पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में त्वरित कार्यवाही करते हुए धनपुरी पुलिस द्वारा आरोपी छोटेलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सरईकांपा वाटर पार्क में ड्यूटी के दौरान स्टील की गिलास चोरी के आरोप को लेकर विवाद हुआ था। प्रातः पम्प हाउस विलियस नं. 01, धनपुरी में कार्य के दौरान आरोपी द्वारा फरियादी के साथ गाली-गलौज करते हुए लोहे की पाइप से हमला किया गया, जिससे फरियादी के सिर एवं दाहिने हाथ की कलाई में चोट आई। घटना के दौरान आरोपी द्वारा जान से मारने की धमकी भी दी गई। उक्त घटना पर थाना धनपुरी में सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर धनपुरी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

जैतपुर पुलिस द्वारा केरल से नाबालिग बालिका की सुरक्षित दस्तयाबी

शहडोल। थाना जैतपुर क्षेत्रांतर्गत फरियादी द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री दिनांक 07.12.2025 को घर से बिना बताये कहीं चली गई है। आसपास एवं रिश्तेदारी में तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। फरियादी द्वारा संदेह व्यक्त किया गया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला- फुसलाकर भगा ले गया है। रिपोर्ट पर थाना जैतपुर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।विवेचना के दौरान जैतपुर पुलिस द्वारा सक्रियता एवं तत्परता से कार्यवाही करते हुए अपहृता नाबालिग बालिका को दिनांक 07.02.2026 को जिला इडुक्की, केरल से सुरक्षित दस्तयाब किया गया। दस्तयाबी उपरांत जैतपुर पुलिस द्वारा नाबालिग के परिजनों को सूचित कर परिजनों को सुपुर्द किया गया।

राष्ट्रीय खेल की अनदेखी-हॉकी मैदान का अस्तित्व ही नहीं

तकनीकी मैदान को विकसित करने की उठी पुरज़ोर मांग, खिलाड़ियों में बढ़ती निराशा

विजय मत, शहडोल

भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी, जिसने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया, वही खेल आज संभागीय मुख्यालय शहडोल में पहचान के लिए जूझ रहा है। यहां हालात ऐसे हैं कि हॉकी खेलने के लिए न तो कोई समर्पित मैदान है और न ही प्रशिक्षण की कोई ठोस व्यवस्था। प्रशासनिक और विभागीय उदासीनता के चलते शहडोल में हॉकी लगभग ठप होती जा रही है, जिससे खेल प्रेमी युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है।

शहडोल में हॉकी व्यवस्था पूरी तरह शून्य

जिले में हॉकी के विकास को लेकर बीते कई दशकों में कोई ठोस पहल नहीं की गई। न तो प्रशासन ने हॉकी मैदान उपलब्ध कराया और न ही खेल विभाग ने इस ओर गंभीरता दिखाई। शहर में उपलब्ध मैदान क्रिकेट और फुटबॉल तक सीमित हैं, जबकि राष्ट्रीय खेल हॉकी के लिए कोई स्थान निर्धारित नहीं है। इस स्थिति से खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों में भी गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

मैदान नहीं, प्रशिक्षण नहीं, प्रतिभाएं मजबूर

हॉकी प्रेमी युवाओं का कहना है कि जिले में न खेलने की जगह है और न ही कोचिंग की व्यवस्था। परिणामस्वरूप कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपने सपनों

को साकार करने के लिए दूसरे जिलों का रुख करने को मजबूर हैं। आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ी तो अवसर के अभाव में हॉकी छोड़ने तक को विवश हो रहे हैं।

तकनीकी मैदान बन सकता है हॉकी का नया केंद्र

स्थानीय खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों का मानना है कि शहर का टेक्निकल मैदान हॉकी ग्राउंड के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकता है। मैदान का आकार और स्थिति दोनों ही इस खेल के अनुकूल हैं। कुछ समय पहले यहां कमिश्नर बंगला बनाए जाने की योजना सामने आई थी, लेकिन वह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। वर्तमान में यह मैदान उपेक्षित अवस्था में खाली पड़ा है।

खाली मैदान, लेकिन अपार संभावनाएं

यदि प्रशासन चाहे तो तकनीकी मैदान को आधुनिक हॉकी ग्राउंड में बदला जा सकता है। यहां एस्ट्रोटर्फ, गोलपोस्ट, ड्रेसिंग रूम और प्रशिक्षण से जुड़ी मूलभूत सुविधाएं विकसित कर शहडोल को हॉकी के नक्शे पर स्थापित किया जा सकता है। इससे जिले के युवाओं को अपने ही शहर में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

अन्य खेलों को बढ़ावा, हॉकी उपेक्षित

खिलाड़ियों का आरोप है कि जिले में एथलेटिक्स, क्रिकेट और फुटबॉल जैसे खेलों को लगातार संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, लेकिन हॉकी को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। यह स्थिति तब और चौंकाने वाली हो जाती है जब हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है।

जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

वर्षों से हॉकी मैदान की मांग उठती रही है, लेकिन हर बार प्रस्ताव फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। खेल प्रेमियों का कहना है कि जिला प्रशासन और खेल विभाग की उदासीनता के कारण शहडोल में हॉकी का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है।

भू- अधिकार का पट्टा दिलाने एवं जलाशय के अतिक्रमण को हटवाने की लगाई गोहार

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम पठरा निवासी समनू कोल ने भू- अधिकार पटटा दिलाने, ग्राम खम्हरिया कला निवासी छत्रपाल विश्वकर्मा ने बिजली कनेक्शन जु?वाने, ग्राम विचारपुर निवासी सुदीन बैगा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदाय की जा रही राशि दिलाने, ग्राम कल्याणपुर निवासी रमेश सोनी ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने, वार्ड नम्बर 35 शहडोल निवासी कृष्णराज ने रोजगार दिलवाए जाने, ग्राम अमझोर निवासी पुष्पेंद्र सिंह ने ग्राम पंचायत सेमरा जलाशय में हुए अतिक्रमण को हटवाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए।
सीईओ जिला पंचायत ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त अन्य आवेदनों को भी कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनिया एक्का सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

दुर्गा मंदिर के सामने पार्किंग स्थल की दीवार को भू-माफिया ने तोड़ दिया

विजय मत, शहडोल

श्री विराटेश्वरी धाम दुर्गा माता मंदिर के सामने सार्वजनिक पार्किंग स्थल पर बनी नगर पालिका की दीवार को आज शाम को तोड़ दी गई है जानकारी के अनुसार मंदिर के सामने स्थित कुछ भूमाफियाओं द्वारा नजूल की जमीन को बेचकर दुकान का निर्माण पूर्व में किया गया था लेकिन नगर पालिका की दीवार होने के कारण अवैध दुकान की निर्माण करने वाले लोगों द्वारा या बाउंड्री वॉल रविवार की रात तोड़ दी गई है
और तो और सोमवार को दीवार तोड़ने वालों ने दुकान पर शटर भी लगा लिया आखिर किसके इशारे पर पार्किंग पर कब्जा किया जा रहा है शहर के बीचो-बीच नजूल नगर पालिका की दीवार तोड़ दी गई और अवैध दुकानों पर शटर भी लग गई
पूरे बाजार में कहीं भी पार्किंग की जगह नहीं है और नवरात्रि के समय तो और भी दिक्कत होगी सभी को इसलिए आप सभी शहर वासी माता रानी के भक्तों एवं पत्रकार साथियों से अनुरोध है कि मंदिर पार्किंग को सुरक्षित करने में अपना सहयोग प्रदान करें नहीं तो सभी को आने वाले समय में दिक्कत होगी ।

वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को दिया गया टैली प्राइम का व्यावहारिक प्रशिक्षण

विजय मत, शहडोल

पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत ÷अकाउंटिंग विद टैली प्राइम÷ विषय पर पांच दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ 2 फरवरी को हुआ एवं समापन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

यह प्रशिक्षण पूर्णतः हैंड्स-ऑन प्रैक्टिकल पद्धति पर आधारित रहा, जिसमें प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक सत्र संचालित किए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधुनिक लेखांकन प्रणाली और टैली सॉफ्टवेयर का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना रहा।प्रशिक्षण के दौरान कंपनी निर्माण, लेजर निर्माण, वाउचर एंट्री, कॉस्ट सेंटर, चेक कन्फिगरेशन, जीएसटी एवं इन्वेंट्री प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक प्रा. प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर करता है। टैली जैसे सॉफ्टवेयर विद्यार्थियों को उद्योग एवं बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ते हैं।परिसर प्रभारी प्रो. गीता सारफ ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य की व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनते हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं रोजगारपरक सिद्ध होगा।प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञ के रूप में संदीप सोनवानी ने विद्यार्थियों को टैली प्राइम का गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

फायलेरिया उन्मूलन की दिशा में बड़ा कदम, शुरू हुआ सामूहिक दवा सेवन अभियान

विधायक एवं कलेक्टर ने कंचनपुर छात्रावास से प्रारंभ किया अभियान

विजय मत, शहडोल

फायलेरिया (हाथी पांव) जैसी गंभीर बीमारी के नियंत्रण एवं उन्मूलन के उद्देश्य से विकासखंड सोहागपुर के समस्त ग्रामों में 10 फरवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक सामूहिक दवा सेवन (एम.डी.ए.) अभियान का संचालन किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी तथा कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि श्री अर्जुन सोनी की उपस्थिति में माता शबरी शासकीय कन्या परिसर, कंचनपुर में संपन्न हुआ। अतिथियों ने स्वयं दवा का सेवन कर अभियान की शुरुआत की तथा आमजन से दवा सेवन की अपील की।
विधायक जैतपुर श्री जयसिंह

मरावी ने कहा कि शासन द्वारा फायलेरिया बीमारी से आमजन की सुरक्षा हेतु यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 10, 11 एवं 12 फरवरी को निर्धारित बूथों पर नागरिकों को फायलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जाएगा। 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड के तहत बूथों पर छूटे हुए लोगों को दवा दी जाएगी। इसके पश्चात 14 फरवरी से 20 फरवरी तक स्वास्थ्य दलों द्वारा घर-घर जाकर दवा का सेवन कराया जाएगा, जबकि 21 से 24 फरवरी तक अंतिम मॉप-अप राउंड चलाया जाएगा।
कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आमजन से अपील की है कि फायलेरिया रोधी अभियान के तहत बनाए गए बूथों में पहुंचकर दवाओं का सेवन अवश्य करें। आपने बताया कि यह बीमारी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है, इसलिए 02 वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छो?कर शेष सभी नागरिकों को निर्धारित मात्रा में डीईसी (डाय-एथाइल कार्बामैजीन) एवं एल्बेंडाजोल दवा का सेवन कराया जाएगा।
दवा का सेवन खाली पेट नहीं करना है, तथा एल्बेंडाजोल की गोली चबाकर खानी अनिवार्य है।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि निर्धारित खुराक के अनुसार 02 से 05 वर्ष के बच्चों को 01 डीईसी . 01 एल्बेंडाजोल, 06 से 14 वर्ष के बच्चों को 02 डीईसी . 01 एल्बेंडाजोल, 15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को 03 डीईसी . 01 एल्बेंडाजोल, खिलाई जाएंगी।

मनमानी

वैवाहिक सीजन में बढ़ी मांग, कारोबारियों की मनमानी चरम पर

खुलेआम बिक रहे सड़े फल और दूषित खाद्य पदार्थ, सेहत से हो रहा खिलवाड़

विजय मत, शहडोल

संभागीय मुख्यालय में इन दिनों सड़े-गले फल और दूषित खाद्य सामग्री की खुलेआम बिक्री लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ती नजर आ रही है। बाजारों में बेरोकटोक बिक रही इन सामग्रियों पर न तो नगर पालिका का ध्यान है और न ही खाद्य सुरक्षा विभाग की कोई सक्रियता दिखाई दे रही है। वैवाहिक सीजन के चलते फलों और खाद्य सामग्री की मांग बढ़ते ही कई कारोबारी मुनाफे के लालच में गुणवत्ता से समझौता कर रहे हैं।

अच्छे फलों के बीच मिलाए जा रहे सड़े-गले फल

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि फल विक्रेता अच्छी क्वालिटी के फलों के बीच सड़े-गले फल मिलाकर रखते हैं और ग्राहकों की नजर बचाकर उन्हें पैक कर देते हैं। कई बार कम कीमत का लालच देकर उपभोक्ताओं को ये फल थमा दिए जाते हैं। बाहर से देखने में ताजे दिखने वाले फलों के भीतर सड़न निकलने पर ग्राहक खुद को ठगा महसूस करते हैं।

कटे फलों पर मंडराती मक्खियां और कीड़े

सब्जी मंडी से लेकर बस स्टैंड, गांधी चौक, जिला अस्पताल, बाईपास, सब्जी मंडी, बस स्टैंड और विभिन्न चौक जैसे व्यस्त इलाकों में हाथ ठेलों पर बिकने वाले कटे फलों की स्थिति और भी चिंताजनक है। इन फलों पर मक्खियां, मधुमक्खियां और बरैया भिनभिनाती रहती हैं। ग्राहक आते ही विक्रेता हाथ हिलाकर मक्खियां भगा देते हैं और वही दूषित फल बेच दिए जाते हैं। ऐसे फलों के सेवन से पेट संबंधी बीमारियों और संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

नपा और खाद्य सुरक्षा विभाग की अनदेखी

शहर वासियों का कहना है कि इस वर्ष अब तक नगर पालिका और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा दूषित खाद्य सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए कोई विशेष मुहिम शुरू नहीं की गई है। इसका सीधा असर आम

पिछले वर्ष चली थी संयुक्त कार्रवाई

मालूम हो कि गत वर्ष नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया था। इस दौरान सड़े फलों को जब्त कर नष्ट किया गया था, साथ ही होटल, रेस्टॉरेंट और नाश्ता ठेलों पर बिकने वाली खाद्य सामग्री की जांच कर सैंपल लिए गए थे। नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई भी की गई थी, जिससे कुछ हद तक बाजार में सुधार देखने को मिला था।

वैवाहिक सीजन में बढ़ता खतरा

फिलहाल वैवाहिक सीजन के कारण फलों और मिठाइयों की खपत तेजी से बढ़ रही है। इसी का फायदा उठाकर कई व्यापारी मनमानी कर रहे हैं। बिना जांच और नियंत्रण के सड़े फल और दूषित खाद्य सामग्री बाजार में धड़ल्ले से बिक रही है, जिससे शहर के नागरिकों की सेहत पर लगातार खतरा मंडरा रहा है।

मानपुर रोड ब्योहारी में शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

विजय मत, ब्योहारी

ब्यौहारी नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत मानपुर रोड स्थित शासकीय भूमि पर प्रस्तावित ऑडिटोरियम निर्माण को लेकर नगर परिषद द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई।
नगर परिषद के अनुसार उक्त शासकीय भूमि पर संतोष सेन द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर मकान का निर्माण किया गया था, जिससे ऑडिटोरियम निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही थी।
नगर परिषद ब्यौहारी द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी शरद कुमार गौतम के नेतृत्व में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।
कार्रवाई के समय तहसीलदार डेलन सिंह, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।
नगर परिषद अधिकारियों ने बताया कि मानपुर रोड स्थित उक्त शासकीय भूमि पर नगर विकास की दृष्टि से ऑडिटोरियम का निर्माण प्रस्तावित है, जो भविष्य में सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उपयोगी होगा। अतिक्रमण हटने के बाद अब निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाने की संभावना है।
प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाइयाँ जारी रहेंगी।
स्थानीय नागरिकों से अपील की गई है कि वे शासकीय भूमि का दुरुपयोग न करें और विकास कार्यों में सहयोग करें।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड, आज शाम 7 बजे मैच होगा शुरू

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए।

मुंबई, एजेंसी

बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसल के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा। वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंडन (विकेटकीपर), फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग।वेस्टइंडीज शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्रिंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज़, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, जेडन सील्स।

आंखिर दबाव में झुका पाकिस्तान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आंखिरकार दबाव के आगे झुक ही गया है और वह भारतीय टीम के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच खेलने के लिए तैयार हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ये मैच 15 फरवरी को कोलंबो स्टेडियम में खेला जाएगा। लाहौर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की बैठक के बाद इस पर आम सहमति बन गयी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी शीघ्र ही इसकी औपचारिक घोषणा करेगा। वहीं इससे पहले पाक ने कहा था कि वह बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच से हट रहा है। पीसीबी ने कहा था कि उसकी सरकार ने उसे मैच से हटने को कहा है। उसके इस बयान के बाद माना जा रहा था कि अब वह भारत के खिलाफ नहीं खेलेगा पर आईसीसी के कड़े रुख, बांग्लादेश बोर्ड की मध्यस्थता और लगातार बातचीत के कारण पीसीबी खेलने को तैयार हो गया। उसने आईसीसी के सामने तीन शर्तें रखीं थीं ।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने पाक के प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया

मुम्बई, एजेंसी

श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने के लिए तैयार होने पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया है। पाक सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वो इस मैच का पहले बहिष्कार करने का फैसला किया था पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति के अनुरोध और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के दबाव में उसने ये फैसला बदल दिया है।

दिसानायके ने पाक प्रधानमंत्री को एक पत्र भेजकर याद दिलाया था कि श्रीलंका ने कठिन हालातों में भी उसका साथ दिया था। जब कोई टीम दौरा नहीं कर रही थी तब वह पाक के दौरे पर पहुंची थी। इसी के बाद पाक सरकार ने पहले अपने फैसले से पलटते हुए अब अपनी पुरुष क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ तय मैच खेलने की अनुमति दे दी है। यह मैच 15 फरवरी 2026 को खेला जाएगा। दिसानायके ने सोशल मीडिया में लिखा कि वह खुश हैं कि क्रिकेट का यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला अपने तय कार्यक्रम के अनुसार खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला यह अहम मैच कोलंबो में ही होगा।उन्होंने साथ ही कहा, टूर्नामेंट के सह आयोजक के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देता है।

भारतीय बोर्ड भी तब पाक के खिलाफ मैच से हट सकता था

नई दिल्ली,एजेंसी

पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। वहीं भारत के पास भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले से हटने का अवसर था पर भारत सरकार ने ऐसा नहीं किया।तब देशभर में पाकिस्तान के खिलाफ माहौल था और कहा जा रहा था कि भारत को ये मुकाबला नहीं खेलना चाहिए पर सरकार ने इसके बाद भी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला लिया था। भारतीय सरकार ने तब बीसीसीआई को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की मंजूरी कई कारणों से दी थी। तब अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करता तो उसपर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे।

इससे आईपीएल पर भी प्रभाव पड़ सकता था क्योंकि विदेशी खिलाड़ियों को अनुमति मिलने में परेशानी आती। इससे भारतीय बोर्ड को भी आर्थिक नुकसान होता।

वहीं आईसीसी दूसरी टीमों को भी भारत में द्विपक्षीय सीरीज खेलने से रोक सकता था।इससे भारतीय बोर्ड को नुकसान होता जिससे देखते हुए भारत सरकार ने बीसीसीआई को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की मंजूरी दी थी। हालांकि भारतीय टीम ने पाकिस्तान का क्रिकेट मैदान पर बायकाट किया था। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबसे पहले पाकिस्तानी कप्तान से टॉस के दौरान हाथ नहीं मिलाए। वहीं मैच खत्म होने के बाद भारतीय खिलाड़ी सीधा अपने ड्रेसिंग रूम में चले गए।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट और रोहित का हुआ डिमोशन

मबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है।

इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

ग्रेड ए-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।

ग्रेड बी - विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।

ग्रेड सी - अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

पोंटिंग ने बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये हैं। पोंटिंग ने कहा है कि बाबर ने जिस प्रकार से एसोसिएट टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी की है। उससे साफ है कि वह सहज नहीं हैं। इसके बाद भी वह नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों में केवल15 रन ही बना पाये। इस पारी के दौरान वह न एक भी चौका , छक्का नहीं लगा पाये। पोंटिंग के अनुसार आजम के शॉट में पहले जैसी ताकत नजर आई और न ही टाइमिंग नजर नहीं आई। पोंटिंग ने कहा, अगर आप 18 गेंदों में 15 रन बना रहे हैं तो इससे साफ है कि आप दबाव में है और स्ट्राइक भी रोटेट नहीं कर पा रहे।

व्यापार

दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी

दूसरी कार टियागो ईवी फेसलिफ्ट है, जिसके मई 2026 में आने की संभावना है

नई दिल्ली, एजेंसी

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने जा रही है, जिनमें मौजूदा मॉडलों के फेसलिफ्ट वर्जन और बिल्कुल नए इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की तैयारी में है। टाटा का लक्ष्य हुंडई और महिंद्रा जैसी कंपनियों को कड़ी चुनौती देते हुए ईवी सेगमेंट में अपनी लीड को बरकरार रखना है। कंपनी की सबसे पहली अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार है पंच ईवी, जो 20 फरवरी 2026 को अपडेटेड रूप में लॉन्च होगी। इस एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक एसयूवी में नया फ्रंट ग्रिल, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और नए अलॉय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। इसमें 45 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 120 बीएचपी की पावर और 190 एनएम टॉर्क दिया जा सकता है, जिससे इसकी परफॉर्मेंस और रेंज दोनों बेहतर होंगे।

दूसरी कार टियागो ईवी फेसलिफ्ट है, जिसके मई 2026 में आने की संभावना है। इसमें नया फ्रंट डिजाइन, अपडेटेड टेल लैंप्स और बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। टियागो ईवी के दोनें बैटरी विकल्प 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच जारी रहने की उम्मीद है, जिससे यह ग्राहकों के लिए एक किफायती और प्रैक्टिकल विकल्प बन सकती है।

तीसरी कार टाटा सिएरा ईवी है, जो इस साल के फेस्टिव सीजन में लॉन्च हो सकती है। इसका डिजाइन आईसीई वर्जन जैसा ही रहेगा लेकिन इसमें क्लोज्ड ग्रिल, एयरोडायनामिक अलॉय और इलेक्ट्रिक-विशेष स्टाइलिंग एलिमेंट जोड़े जाएंगे। इसके इंटीरियर में ट्रिपल स्क्रीन सेटअप और पावर-एडजस्टेबल सीटें जैसी प्रीमियम सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। इसके 65 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वेरिएंट उपलब्ध हो सकते हैं।

बांग्लादेश-अमेरिका व्यापार को बड़ी राहत

ढाका । बांग्लादेश और अमेरिका ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत बांग्लादेश से आने वाले कुछ वस्त्र और परिधान उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क को घटाकर 19 फीसदी कर दिया गया है। खासकर अमेरिका में उत्पादित कपास और मानव निर्मित फाइबर से बने रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) को शून्य शुल्क पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश मिलेगा। यह समझौता नौ महीने की बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन और एलएनजी आयात, ई-कॉमर्स पर शुल्क न लगाना, अमेरिकी बौद्धिक संपदा अधिकार मानकों का पालन और डब्ल्यूटीओ सुधारों में सहयोग जैसे प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका में वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। आरएमजी क्षेत्र बांग्लादेश की कुल निर्यात आय बढ़ेगी।

हैप्पिएस्ट माइंड्स मुनाफा 19.6 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ

नई दिल्ली,एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19.56 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ रुपये रह गया। पिछली वित्त वर्ष (2024-25) की समान तिमाही में यह 50.1 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार यह गिरावट मुख्य रूप से नए श्रम संहिता के लागू होने से जुड़े एकमुश्त प्रभाव (22.03 करोड़ रुपये) के कारण आई। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 10.69 प्रतिशत बढ़कर 587.56 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 530.81 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर आय में 2.43 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मजबूत नकदी प्रवाह और एआई फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान जारी है। कंपनी एआई और जेन

एआई में निवेश बढ़ाएगी और वित्त वर्ष 2026-27 तक 1000 से अधिक लोगों का समर्पित दल बनाने की योजना रखती है।

अक्टूबर में इक्विटी निवेश 24,690 करोड़ रुपये था, जबकि नवंबर में यह 29,911 करोड़ रुपये था। इक्विटी निवेश में सुस्ती के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंध अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 81.01 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये थी। जनवरी में उद्योग में कुल शुद्ध निवेश 1.56 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि दिसंबर में 66,591 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। फ्लेक्सी-कैप फंड में सबसे अधिक 7,672 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इसके बाद मिड-कैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज व मिड-कैप फंड में 3,182 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप फंड में क्रमशः 2,005 करोड़ और 2,942 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। कर बचत योजनाओं में 593.69 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई, जो मुनाफावसूली और कर समायोजन को दर्शाती है। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में मांग तेजी है।

सोना 2,065 की गिरावट के साथ खुला, सोना और चांदी भी फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को कमजोरी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2,065 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,001 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,58,066 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 776 रुपये टूटकर 1,57,290 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,58,070 रुपये का उच्च और 1,56,001 रुपये का निचला स्तर छुआ। पिछले महीने सोने ने 1,80,779 रुपये का रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाया था। चांदी के वायदा भाव भी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर मार्च कॉन्ट्रैक्ट 2,623 रुपये की गिरावट के साथ 2,59,997 रुपये प्रति किलो पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,62,620 रुपये था। इस समय चांदी 4,905 रुपये टूटकर 2,57,715 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 2,60,527 रुपये का उच्च और 2,59,997 रुपये का निचला स्तर छुआ।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई । वैश्विक स्तर पर एशियाई शेयर बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.51 प्रतिशत चढ़ा, हांगकांग का हैंग सेंग 0.78 प्रतिशत ऊपर रहा, जापान का निक्केई 3.09 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5.3 प्रतिशत बढ़ा। अमेरिकी बाजारों में वॉल स्ट्रीट के शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.54 प्रतिशत, नैस्डैक में 0.56 प्रतिशत और डाउ जोंस में 1.05 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट के अनुसार होगी।

मार्केट जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, एक साल पहले 4,78,915 से 7 प्रतिशत अधिक

मोटर वाहन बिक्री में जोरदार उछाल, ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी

देश में जनवरी 2026 में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वाहन डीलर निकाय फाडा के अनुसार कुल बिक्री 27,22,558 इकाई रही, जो जनवरी 2025 की 23,14,940 इकाई की तुलना में 17.61 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर नकदी प्रवाह, जीएसटी में बदलाव के बाद नीति स्थिरता और मालवाहन मांग में स्पष्टता से जुड़ी है। जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, जो एक साल पहले की 4,78,915 इकाई से 7 प्रतिशत अधिक है। फाडा के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सालाना आधार पर बिक्री 14.43 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरी क्षेत्र में सिर्फ 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इस वृद्धि में एसयूवी/कॉम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता, छोटी कारों की वापसी और उत्पाद उपलब्धता का योगदान रहा। दो-पहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 18,52,870 इकाई तक पहुंच गई। ट्रैक्टर की बिक्री भी 23 प्रतिशत बढ़कर 1,14,759 इकाई हो गई। विग्नेश्वर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में त्योहारों, शादी के मौसम और बेहतर वहनीयता से मांग में इजाफा हुआ है।

तीन-पहिया वाहनों की बिक्री में 19 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इन आंकड़ों से मालवाहन और छोटे व्यवसायों में मांग की स्थिरता का संकेत मिलता है। फाडा के सर्वेक्षण के अनुसार, 79.7 प्रतिशत डीलर आगामी तीन महीनों में बिक्री वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि केवल 1.88 प्रतिशत ने गिरावट की आशंका जताई। जीएसटी में बदलाव, कृषि और बुनियादी ढांचा पर जोर देने वाला बजट, और ब्याज दरों की स्थिरता से वाहन खरीद में उत्साह बढ़ा है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय : एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक

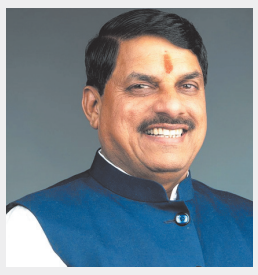

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र

व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण का मार्ग दिखाने वाले , विलक्षण व्यक्तित्व के धनी , एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के प्रणेता पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन। पं . दीनदयाल जी का जीवन भारत राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ है। वे एक ऐसे ऋषि राजनेता थे जो समाज, संस्कृति और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए समर्पित रहे। उन्होंने राजनीति को राष्ट्रधर्म की साधना का माध्यम माना। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्र भारत की यात्रा भारतीय दर्शन , संस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए। पं . दीनदयाल जी ने राजनीतिक चिंतन को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए एकात्म मानव दर्शन का सूत्र दिया। इसमें व्यक्ति , समाज , राष्ट्र और सृष्टि के बीच समन्वय और संतुलन समाहित है। यह जीवन और संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है। यही दर्शन व्यष्टि से समष्टि की रचना करता है। इसमें श्रीकृष्ण के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से लेकर आज के वैश्विक परिदृश्य का समावेश है।पं . दीनदयाल जी भारत के भविष्य की कल्पना चतुर्पुरुषार्थ -धर्म , अर्थ , काम और मोक्ष के आधार पर की। उनका विश्वास था कि इन चारों का संतुलन ही व्यक्ति और समाज को पूर्णता की ओर ले जा सकता है। यदि व्यक्ति और समाज को विकास के समान अवसर दिए जाएँ , तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण संभव है। पं . दीनदयाल जी का मानना था कि राजनीति का अंतिम लक्ष्य सशक्त , समरस और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है। उनका विकास मॉडल केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं था, बल्कि उसमें सांस्कृतिक चेतना , सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक संतुलन का समावेश था। वे चाहते थे कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे , तभी वह सच्चा विकास कहलाएगा। यही अंत्योदय का भाव है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिस विकास पथ पर अग्रसर है , उसके मूल में पं . दीनदयाल जी का चिंतन है। विरासत से विकास , आत्मनिर्भर भारत , वोकल फॉर लोकल और सबका साथ - सबका विकास , यह सभी एकात्म मानव दर्शन के आधुनिक रूप हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 , स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित किया जाए। यह संकल्प पं . दीनदयाल जी के स्वप्निल भारत की ही साकार अभिव्यक्ति है। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री मोदी जी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण की परिकल्पना को मूर्तरूप देने की दिशा में प्रदेश के प्रत्येक अंचल को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के हर क्षेत्र की क्षमता ,

मेधा और दक्षता को अवसर प्रदान करने के लिए जहां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का नवाचार किया गया, वहीं भोपाल में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से स्थानीय उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। निवेश के लिये हमने यूके , जर्मनी , जापान और दावोस आदि यात्राएं कीं और हैदराबाद , कोयंबटूर सहित मुंबई में रोड-शो के माध्यम से उद्योगपतियों को आमंत्रित किया। यह क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर तक उद्योग को जोड़ने का पहला सशक्त प्रयास है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन को व्यवहार में उतारने का प्रयत्न किया जा रहा है। समरस, संवेदनशील और उत्तरदायी शासन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं और विकास के लक्ष्य धरातल पर पहुंच रहे हैं। प्रदेश में गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवा शक्ति और नारी सशक्तिकरण को केन्द्र में रखकर 4 मिशन के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इससे समाज के सभी वर्गों के कल्याण का लक्ष्य पूर्ण होगा। पं . दीनदयाल जी ने आर्थिक विकास के लिए कृषि , उद्योग , परिवहन , व्यापार समाज , सुरक्षा एवं सेवा का एक स्पष्ट और व्यावहारिक क्रम बताया। इस क्रम में कृषि प्रधान देश भारत में खेती को प्रथम स्थान देने की आवश्यकता व्यक्त की। उनका मानना था यदि देश में कृषि सुदृढ़ होगी , तो किसानों की आय बढ़ेगी , ग्रामीण जीवन में स्थिरता आएगी और उद्योगों को कच्चा माल एवं श्रम दोनों सहज रूप से उपलब्ध होगा। इससे किसान, उपभोक्ता और समाज तीनों का संतुलन बना रहेगा। पं . दीनदयाल जी खेती की मजबूती और किसानों की समृद्धि को समग्र विकास का आधार मानते थे। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में किसानों के स्वाभिमान, सुरक्षित जीवन और आत्मनिर्भरता को केन्द्र में रखकर वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक तकनीक , उन्नत बीज , सिंचाई , भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। कृषि आजीविका के साधन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2025-26 किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में पार्वती-कालीसिंध-चंबल तथा केन-बेतवा नदी लिंक राष्ट्रीय परियोजना सहित तापी ग्राउंड वॉटर रिचार्ज मेगा परियोजना से प्रदेश के 25 जिलों में 16 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त कृषि रकबा सिंचित होगा। प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाया जायेगा। प्रदेश में श्रीअन्न , सरसों और चना अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जा रही है। इससे श्रीअन्न का उत्पादन और पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। इन केंद्रों के जरिए फसलों की गुणवत्ता और पैदावार बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाएगा। प्रदेश के 30 लाख से अधिक किसानों को अगले तीन साल में सोलर पॉवर पम्प दिये जायेंगे। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 65 लाख हैक्टेयर से बढ़ाकर 1 00 लाख हैक्टेयर किये जाने का लक्ष्य है। पं . दीनदयाल उपाध्याय जी ने स्वाभिमानी, स्वावलंबी और विश्व कल्याण में अग्रणी भारत की कल्पना की थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में देश इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका जीवन और दर्शन हम सबको राष्ट्रधर्म के पथ पर निरंतर अग्रसर करता रहेगा। राष्ट्र निर्माण के अमर साधक पं . दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर पुनः कोटिशः वंदन।

न्यूज इन शॉर्ट

हाईटेंशन पोल के नीचे निकली सडक़, करोंद की विनायक कॉलोनी में कई साल से पोल बना खतरा

भोपाल। भोपाल में 90 डिग्री एंगल वाले ऐशबाग ब्रिज और ठिगने मेट्रो स्टेशन के बाद एक और नया अजूबा सामने आया है। राजधानी के करोंद इलाके में हाईटेंशन लाइन के टावर (पोल) के नीचे से सडक़ निकाल दी गई, जो किसी एफिल टॉवर सडक़ की तरह है। मामला सामने आने के बाद अब यह पोल सुर्खियां बंटोर रहा है।
करोंद की विनायक कॉलोनी में कई साल से हाईटेंशन का पोल एफिल टॉवर जैसा खड़ा है, लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि इसके नीचे से ही सडक़ भी निकाल दी गई। लोग पैदल चलने के साथ अपनी कार और मोटरसाइकिलों से आना-जाना भी करते हैं। ऐसे में हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने का डर बना रहता है। करोंद के महेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि यह पोल उन्हीं के वार्ड में हैं, जिसे वे कई साल से देखते आ रहे हैं। पहले आसपास रहवासी इलाका नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे आबादी बसने लगी। वर्तमान में अच्छी आबादी यहां रहती हैं। रहवासियों ने बताया कि टावर के नीचे से बड़ी गाडिय़ां नहीं निकल पाती। दूसरी ओर, बारिश के दिनों में करंट फैलने का डर रहता है। भोपाल राजधानी है, सरकार को हाईटेंशन लाइन और टावर को लेकर ध्यान देना चाहिए। दोनों को ही शिफ्ट किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, बिजली कंपनी भी इस टावर को अन्य जगह शिफ्ट करने में लगी है। कई बार इस पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन ये टावर और हाईटेंशन लाइन नहीं हट पाई। सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद यह टावर फिर से सुर्खियों में आ गया है।

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा शुरू, उपभोक्ता जागरूकता के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 9 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक स्मार्ट मीटर पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत उपभोक्ता जागरूकता को लेकर विशेष अभियान संचालित है। कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान उपभोक्ताओं को जहां स्मार्ट मीटर के फायदे बताए जा रहे हैं, वहीं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है। इस दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से होने वालें लाभों जैसे भुगतान सुविधा, रियल टाइम डेटा, खपत पर बेहतर नियंत्रण, सही एवं पारदर्शी बिलिंग, बेहतर सेवा के संबंध में व्यापक रूप से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं के मोबाइल फोन में उपाय एप की डाउनलोडिंग एवं लाइव डेमोस्ट्रेशन किया जा रहा है, जिससे वे चौबीसों घंटे ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकें। स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान गांव, शहर के मोहल्लों में घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर के फायदों की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा पंप्लेट, पोस्टर, वीडियो, ऑडियो, रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जगह-जगह फ्लेक्स, होर्डिंग्स लगाकर जागरूक किया जा रहा है। स्व-सहायता समूहों, आंगनवाडी कार्यकर्ता आदि के द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

महाशिवरात्रि पर दादाजी धाम में डीजे व ढोल-नगाड़ों के साथ निकलेगी भव्य शिव बारात

भोपाल। जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। श्री श्री 1008 दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों की ओर से इस अवसर पर अनेक विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई है। कार्यक्रमों की शुरुआत 14 फरवरी को सायं 6:00 बजे से होगी। इस अवसर पर भगवान शिव एवं माता पार्वती को मेहंदी-हल्दी लगाई जाएगी। महिलाओं द्वारा बन्ना-बन्नी के मंगल गीत गाए जाएंगे तथा भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। 15 फरवरी (रविवार) को प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में विशेष रुद्राभिषेक संपन्न होंगे। सायं 5:00 बजे से भव्य शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें रथ, डीजे एवं ढोल-नगाड़ों के साथ वर्धमान सिटी एवं पटेल नगर क्षेत्र का भ्रमण किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर में भगवान शिव एवं माता पार्वती का विशेष श्रृंगार किया जाएगा तथा आकर्षक विद्युत साज-सज्जा (लाइटिंग) की व्यवस्था रहेगी।

मौजूदा प्रदेश पदाधिकारियों ने भी बढ़ाई सक्रियता

केंद्रीय राजनीति में जाने के लिए टीम 'नवीन' में शामिल होने भाजपा नेता लगा रहे दिल्ली के फेरे

विजय मत, भोपाल

मप्र भाजपा के नेता इन दिनों केंद्रीय राजनीति में जाने के लिए हाथ-पैर मारते दिखाई दे रहे हैं। बिहार के युवा नेता नितिन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मप्र भाजपा के नेताओं ने दिल्ली दौरे बढ़ा दिए हैं। इनमें भाजपा भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम के पदाधिकारी भी शामिल हैं। ये नेता नितिन नवीन से नजदीकियां बढ़ाने में जुटे हैं। उनकी होशिश है कि नितिन का हाथ पकडक़र भाजपा की 'नवीन' टीम में किसी तरह से दाखिल मिल जाए।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में मप्र भाजपा के नेता खासे सक्रिय हैं। बताया गया कि ज्यादातर नेता वे हैं, जिन्हें टीम खंडेलवाल में जगह नहीं मिली है। न ही उन्हें मप्र संगठन में खास तवज्जो मिलने की उम्मीद हैं। कुछ नेता ऐसे भी हैं, जो भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल हैं। टीम खंडेलवाल की घोषणा से पहले ये

नेता मप्र में भाजपा नेताओं के घर-कार्यालयों के फेरे लगाते देखे गए थे। मप्र भाजपा के नेताओं की दिल्ली में सक्रियता के केंद्रीय कार्यालय में खासे चर्चे हैं। बताते हैं कि कुछ नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकातें भी कर ली हैं। जब नितिन नवीन राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, तब मप्र भाजपा के नेताओं ने नवीन के साथ की पुरानी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर खुद को राष्ट्रीय अध्यक्ष का नजदीकी बताने की कोशिश की। पार्टी नेता बताते हैं कि कुछ नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष से पूर्व की भांति मुलाकात करना चाहते हैं, जो संभव नहीं हो पा रही है।

प्रदेश पदाधिकारियों को काम का इंतजार

इधर भाजपा प्रदेश पदाधिकारी भी संगठन में काम मिलने का इंतजार कर रहे हैं। क्योंकि प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा के बाद पदाधिकारियों को नई सिरे से जिम्मेदारी नहीं सौंपी है। ऐसे में टीम खंडेलवाल के कुछ पदाधिकारी भी प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सिंह चौहान से नजदीकियां बढ़ाने में लगे हैं। हितानंद शर्मा की संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी से अचानक संघ में वापसी से मप्र भाजपा के कुछ नेताओं को झटका लगा है। ऐसे में अब कुछ नेता क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल के इर्द-गिर्द घूमना शुरू कर दिया है। हालांकि जामवाल ने अभी किसी को भाव नहीं दिया है।

एम्स भोपाल का स्वदेशी नवाचार

बहुउद्देश्यीय शल्य उपकरण को मिला पेटेंट, दंत सर्जरी होगी सरल और सुरक्षित

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल अपने नवीन शोध कार्यों और सामाजिक रूप से उपयोगी चिकित्सा नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में, एम्स भोपाल के चिकित्सकों द्वारा विकसित दंत एवं मुख शल्य चिकित्सा के लिए एक बहुउद्देश्यीय शल्य उपकरण को हाल ही में भारत सरकार द्वारा आधिकारिक पेटेंट प्रदान किया गया है, जो आम नागरिकों के लिए उपचार प्रक्रियाओं को अधिक सुरक्षित, सरल और समय-संक्षिप्त बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। यह उपकरण दंत इम्प्लांट शल्य चिकित्सा को आसान बनाने के साथ-साथ माइनर ओरल सर्जरी की प्रक्रिया को अधिक सरल व सुरक्षित बनाने में मदद करेगा। इस उपकरण के मुख्य आविष्कारक डॉ. अंशुल राय हैं, जिन्होंने दंत शल्य चिकित्सा के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को

ध्यान में रखते हुए इसकी परिकल्पना की। उनके मार्गदर्शन में इस नवाचार को विकसित किया गया, जिसमें डॉ. बाबूलाल, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. जेनिश भट्टी और डॉ. मोनिका राय ने सह-आविष्कारकों के रूप में सक्रिय योगदान दिया। यह उपकरण भारतीय परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे देश के विभिन्न क्षेत्रों में उपचार सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। इस बहुउद्देश्यीय शल्य उपकरण की प्रमुख विशेषता इसकी स्विस नाइफ जैसी संरचना है। सामान्यतः डेंटल सर्जरी के विभिन्न चरणों में कई अलग-अलग उपकरणों की आवश्यकता होती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा और शहरी क्षेत्रों में वार्ड सभा का होगा आयोजन

विजय मत, भोपाल

पीएम श्रम योगी मानधन योजना सहित अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और इनका लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने नई रणनीति अपनाई है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा और शहरी क्षेत्रों में वार्ड सभा के माध्यम से इन योजनाओं को मजबूती दी जाएगी। केन्द्रीय पंचायती राज संचालनालय के निर्देशों के तहत सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि पीएम श्रम योगी मानधन योजना' सहित अन्य व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं को ग्राम-वार्ड सभाओं के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाए। योजना के तहत कवरेज बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यवस्थित रूप से स्थानीय स्तर पर शिविरों के आयोजन पर जोर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में आगामी महीनों में ग्राम सभा बैठकों के साथ-साथ पीएम श्रम योगी मानधन नामांकन और जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। सभी जिलों में ग्राम सभा के लिए महीने की तिथियां पहले से निर्धारित हैं, जिनका उपयोग योजनाओं के प्रचार-प्रसार और नामांकन के लिए किया जाएगा।

मिशन के तहत चलेंगे ये काम

इन ग्राम सभा दिवसों को पीएम श्रम योगी मानधन योजना के साथ-साथ 'संकल्प से समाधान मिशन' की भावना के अनुरूप अन्य हितग्राही योजनाओं के लाभ सुनिश्चित करने के लिए समन्वित रूप से उपयोग किया जाएगा।

सागर-कानपुर फोरलेन बदलेगा बुंदेलखंड की किस्मत

विजयमत, भोपाल। मप्र में आवागमन को आसान बनाने के लिए केंद्र से लेकर राज्य सरकारें प्रदेश में सडक़ों का जाल बिछा रही हैं। जिससे लोगों का सफर आसान और कम समय में पूरा हो सके। इसी तरह प्रदेश के छतरपुर में विकास की रफ्तार बढ़ाने के लिए सागर-कानपुर फोर लाइन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस हाइवे से दो राज्यों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी। साथ ही 7 घंटे का समय 3 घंटे में पूरा होगा। यह फोरलाइन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कराया जा रहा है। मप्र के बुंदेलखंड में तेजी से विकास का स्वरूप बदल रहा है। यहां लगातार सडक़ों का जाल बिछाया जा रहा है। भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के भारतमाला प्रोजेक्ट में कानपुर से सागर फोरलेन का निर्माण तेजी से चल रहा है। इस फोरलेन के बनने से दोनों राज्यों के बीच पर्यटन, निवेश और औद्योगिक विकास बढ़ेगा। इस निर्माण कार्य को 4 चरणों में पूरा किया जाना है। हालांकि पहले की समय सीमा के हिसाब से 2026 तक काम पूरा होना था, लेकिन अब 2028 तक यह परियोजना पूरी होगी।

4290 हजार करोड़ की लागत से बन रहा सागर-कानपुर फोरलेन, दो राज्यों की बढ़ेगी कनेक्टिविटी, समय लगेगा बहुत कम

कर्मचारियों ने खोला मोर्चा : 23-24 को सामूहिक अवकाश पर रहेंगे हजारों आउटसोर्स कर्मचारी

विजय मत, भोपाल

मप्र के सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था संभालने वाले आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जा रहा है। यदि समय रहते मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो आगामी 23 और 24 फरवरी को प्रदेशभर के हजारों आउटसोर्स कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे, जिससे अस्पतालों की सेवाएं चरमरा सकती हैं। जिला अध्यक्ष चित्रवीर पटेल के नेतृत्व में कर्मचारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा से मुलाकात की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के नाम ज्ञापन सौंपते हुए आंदोलन की रूपरेखा स्पष्ट की। तृतीय चरण (16-18 फरवरी) में प्रदेश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्यरत आउटसोर्स कर्मी काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे।

नौ सूत्रीय मांगों पर अड़े कर्मचारी, वेतन बढ़ाने की मांग

आउटसोर्स कर्मचारियों ने सरकार के सामने नौ सूत्रीय मांगें रखी हैं, जिनमें मुख्य रूप से विभाग में समायोजन की मांग शामिल है। एनएचएम के अंतर्गत सेवाएं दे चुके कर्मियों को रिक्त पदों पर समायोजित कर नियमित किया जाए या संविदा में मर्ज किया जाए। आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 21,000 रुपये निर्धारित हो और अप्रैल 2024 से रुकी हुई 11 माह के एरियर राशि का तत्काल भुगतान किया जाए। रेगुलर कर्मचारियों की तरह छुट्टियां, स्वास्थ्य बीमा और ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए। नियमित भर्तियों में आउटसोर्स कर्मियों को 50 प्रतिशत आरक्षण मिले। निजी आउटसोर्स एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट कर विभाग सीधे कर्मचारियों के खातों में भुगतान करे।

कांग्रेस का अब लीडर एडजस्टमेंट प्लान!

3 हजार से ज्यादा नेताओं को मिलेगी ब्लॉक और ग्राम प्रभारी के तौर पर जिम्मेदारी

विजय मत, भोपाल

मप्र में कांग्रेस की तीन दिन चली बैठकों के बाद संगठन को लेकर एक नया फॉर्मूला सामने आया है। चुनाव से पहले कांग्रेस ने अब नेताओं के पुनर्वास की तैयारी भी शुरू कर दी है। संगठन को और मजबूत करने के लिए करीब 3000 से अधिक नेताओं के एडजस्टमेंट का प्लान बनाया है। ये नेता अलग-अलग भूमिकाओं में पार्टी के लिए काम करेंगे। मप्र में लगातार तीन दिन तक कांग्रेस की बैठकों का दौर चला। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और संगठन के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन हुआ। इन बैठकों में यह फैसला लिया गया कि संगठन को मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा नेताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। खास तौर पर वे नेता, जिन्हें कार्यकारिणी में जगह नहीं मिल पाने की वजह से पार्टी में हाशिये पर माना जा रहा था, अब उन्हें ब्लॉक, मंडल और सेक्टर प्रभारी बनाया जाएगा। कांग्रेस का मानना है कि इससे संगठन की निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ेगी। नेताओं की नियुक्ति के साथ-साथ जिला कार्यकारिणी को लेकर भी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से दिशा-निर्देश मिले हैं।

बिजली वितरण कंपनियां भारी कर्ज के बोझ तले दबी

प्रदेश के तीन डिस्कॉम पर 49 हजार करोड़ कर्ज

विजय मत, भोपाल

देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने भले ही वित्तीय वर्ष 2024-25 में पहली बार मुनाफा कमाया हो, लेकिन मध्य प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियां अब भी भारी कर्ज के बोझ तले दबी हुई हैं। केंद्र सरकार के अनुसार मध्य प्रदेश की डिस्कॉम पर 31 मार्च 2025 तक 49,239 करोड़ रुपए का कर्ज है, जबकि राज्य में 71,394 करोड़ रुपए का संचयी घाटा दर्ज किया गया है। यह जानकारी बिजली राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।केंद्र सरकार ने बताया कि जिन छह राज्यों की डिस्कॉम देनदारी को नियामक द्वारा 'अस्थिर' माना गया है, उनमें मध्य प्रदेश भी शामिल है। छह राज्यों (उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश,

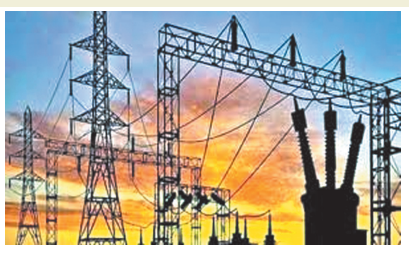

महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु) पर देश के कुल डिस्कॉम कर्ज का 66 प्रतिशत हिस्सा है। इन राज्यों की कुल अस्थिर देनदारी करीब 2.74 ट्रिलियन रुप, बताई गई है। संचयी घाटा का मतलब है बिजली कंपनियों को हर साल जो नुकसान होता गया, वह जुड़ता चला गया और सालों बाद एक बड़ी रकम बन गया। उदाहरण के तौर पर अगर किसी कंपनी को एक साल 5 हजार करोड़ का नुकसान हुआ।

देश स्तर पर मुनाफा, मप्र में सुधार की चुनौती

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मध्य प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर डिस्कॉम ने वर्ष 2025 में 2,701 करोड़ रुपए का कर पश्चात मुनाफा दर्ज किया है, लेकिन मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में पुराने घाटे और कर्ज की भरपाई अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। केंद्र सरकार ने बताया कि डिस्कॉम की वित्तीय हालत सुधारने के लिए संशोधित वितरण क्षेत्र योजना लागू की गई है, जिसमें फंडिंग को राज्यों के प्रदर्शन से जोड़ा गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail:vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997